PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 245 ● भिलाई, बुधवार 08 अप्रैल 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

धर्म स्वातंत्र्य विधेयक अब कानून, राज्यपाल की मुहर

रायपुर। छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक अब कानून बन गया है। बजट सत्र में पारित इस विधेयक

पर राज्यपाल रमेन डेका ने अपनी अनुमति दे दी है। इसके मुताबिक अब धर्म परिवर्तन के लिए 60 दिन पहले आवेदन देना होगा। इस कानून में सजा एवं प्रक्रिया दोनों को अधिक सख्त बनाया गया है। इसमें अवैध धर्मांतरण पर आजीवन कारावास तक का प्रावधान है। पारित विधेयक के अनुसार, धर्म परिवर्तन के इच्छुक व्यक्तिको निर्धारित प्रारूप में जिला मजिस्ट्रेट या सक्षम प्राधिकारी के समक्ष घोषणा पत्र देना अनिवार्य होगा। घोषणा पत्र प्राप्त होने के बाद संबंधित प्राधिकारी पर प्रकाशित करेगा और स्थानीय पुलिस, तहसीलदार व ग्राम पंचायत को इसकी सूचना दी जाएगी। प्रक्रिया का पालन नहीं करने पर धर्म परिवर्तन को अवैध और शून्य माना जाएगा।

हरियाणा में मौसम का बदला मिजाज 17 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

चंडीगढ़। हरियाणा में मौसम ने एक बार फिर करवट ली। हिसार,

गुरुग्राम, नारनौल और भिवानी समेत कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 17 जिलों में बारिश, तेज आंधी और ओलावृष्टि को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार सिरसा, हिसार, फतेहाबाद, भिवानी, चरखी दादरी, महेंद्रगढ़, नारनौल, रेवाड़ी, नूंह, पलवल, गुरुग्राम, फरीदाबाद, झज्जर, रोहतक, सोनीपत, पानीपत और कैथल में 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, बिजली गिरने और ओलावृष्टि की संभावना है। अन्य जिलों में भी हल्की बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने आठ अप्रैल को भी मौसम खराब रहने की चेतावनी दी है। अचानक हुए इस बदलाव का असर कृषि पर पड़ने की आशंका जताई जा

शेयर बाजारों में शुरुआती गिरावट, सेंसेक्स 800 अंक से ज्यादा टूटा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट रही और बीएसई का सेंसेक्स 800 अंक से ज्यादा टूट गया। विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच सेंसेक्स 372.49 अंक नीचे 73,734.36 अंक पर खुला और कुछ ही देर में करीब 824 अंक की गिरावट के साथ 73,282 अंक तक उतर गया। खबर लिखे जाते समय यह पिछले कारोबारी दिवस की तुलना में 407.49 अंक (0.55 प्रतिशत) नीचे 73,699.36 अंक पर था। ईरान युद्ध में दोनों तरफ से हमले और तेज होने से बाजार में निवेश धारणा कमजोर रही। ऑटो, बैंकिंग और वित्त समूहों में ज्यादा बिकवाली रही। एफएमसीजी, स्वास्थ्य, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, तेल एवं गैस और रसायन समूहों के सूचकांक भी टूट गये।

नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़: मुख्यमंत्री साय ने पीएम मोदी को दिया आमंत्रण, विकास का ब्लूप्रिंट सौंपा

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर बस्तर के भविष्य की एक नई तस्वीर पेश की। इस मुलाकात में मुख्यमंत्री ने न केवल नक्सलवाद के अंत के बाद प्रदेश में आई शांति के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया, बल्कि बस्तर के समग्र विकास का एक विस्तृत और दूरदर्शी ब्लूप्रिंट भी सौंपा। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री को मानसून के बाद बस्तर आने का आमंत्रण दिया, जहां उनकी मौजूदगी में कई बड़ी परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण प्रस्तावित है।

उन्होंने बताया कि बस्तर समेत पूरे राज्य में नक्सलवाद समाप्त हो चुका है और अब शांति स्थापित है। शिक्षा व स्वास्थ्य सुधार के तहत नए एजुकेशन सिटी, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं, जबकि इंद्रावती नदी पर बैराज, रेल लाइन और एयरपोर्ट विस्तार से कनेक्टिविटी मजबूत हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ब्लूप्रिंट के जरिए बस्तर में अब विकास, रोजगार और बेहतर सुविधाओं का नया दौर शुरू होगा। मुख्यमंत्री ने अपने विकास दस्तावेज में उल्लेख किया कि एक दशक पहले प्रधानमंत्री द्वारा बस्तर के लिए देखा गया शांति और विकास का सपना अब जमीन पर साकार हो रहा है। नक्सलवाद खत्म होने के बाद अब लोगों में डर नहीं, बल्कि उम्मीद और विकास की नई चमक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन से बस्तर को नई दिशा और गति मिलेगी, जिससे क्षेत्र में विश्वास और उत्साह बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत विकास ब्लूप्रिंट 'सैचुरेशन, कनेक्ट, फैसिलिटेट, एम्पावर और एंगेज' रणनीति पर आधारित है। इसके तहत बस्तर में बुनियादी सुविधाओं को तेजी से विस्तार देने का लक्ष्य रखा गया है। सड़कों के व्यापक जाल के माध्यम से दूर-दराज के गांवों को जोड़ा जाएगा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधूरे कार्यों को 2027 तक पूरा करने के साथ-साथ नई 228 सड़कों और 267 पुलों का निर्माण प्रस्तावित है। इसके अलावा 61 नई परियोजनाओं के लिए विशेष केंद्रीय सहायता की मांग भी की गई है। ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भी बड़े बदलाव की योजना है। हर घर तक बिजली पहुंचाने के कार्य तेज होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में 45 पोटा केबिन स्कूलों को स्थायी भवनों में बदला जाएगा। युवाओं के लिए 15 स्टेडियम और 2 मल्टीपर्पज हॉल बनाए जाएंगे, जबकि स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का विस्तार और डॉक्टरों के लिए ट्रांजिट हॉस्टल बनाए जा रहे हैं। कृषि और सिंचाई के क्षेत्र में इंद्रावती नदी पर दो बड़े प्रोजेक्ट देउरगांव और मटनार में स्वीकृत किए गए हैं, जिनसे 31,840 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। यह परियोजनाएं बस्तर की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगी। आजीविका और आय बढ़ाने के लिए सरकार ने तीन वर्षीय योजना तैयार की है, जिसका लक्ष्य 2029 तक 85ज परिवारों की मासिक आय 15,000 रुपये से बढ़ाकर 30,000 रुपये करना है। 'नियद नेल्ला नार 2.0' योजना के तहत अब अधिक जिलों को जोड़ा जा रहा है, जिससे विकास का लाभ व्यापक स्तर पर पहुंचेगा। 10 जिलों में शुरू की गई यह योजना अब 7 जिलों और 3 नए जिलों (गरियाबंद, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई) तक विस्तारित हो रही है। 'अंजोर विजन 2047' और 'विकसित भारत@2047' के तहत स्टार्टअप नीति भी लागू की गई है, जिसमें 2030 तक 5,000 स्टार्टअप तैयार करने का लक्ष्य है। पर्यटन के क्षेत्र में बस्तर की पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने की दिशा में भी तेजी से काम हो रहा है। चित्रकोट और तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी नेशनल पार्क, एडवेंचर टूरिज्म, कैनोपी वॉक और ग्लास ब्रिज जैसी परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं। बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम जैसे आयोजन क्षेत्र को नई पहचान दे रहे हैं। वहीं, एक लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिनमें से 40 हजार को रोजगार भी मिल चुका है। नक्सलवाद से मुक्त बस्तर के विकास के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज प्रधानमंत्री के सामने जो कार्ययोजना प्रस्तुत की।

ट्रंप की चेतावनी के मद्देनजर इजरायल की ईरानी जनता को चेतावनी

वाशिंगटन। पश्चिमी एशिया में चल रहे संघर्ष पर वैश्विक समुदाय बारीकी से नजर बनाए हुए है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को दी गई धमकी की समय सीमा रात आठ बजे समाप्त होने वाली है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को धमकी दी है कि यदि रात आठ बजे तक होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोला जाता है, तो ईरान को भारी बमबारी और भीषण हमलों का सामना करना पड़ेगा।

ट्रंप ने धमकी दी है कि यदि ईरान समय सीमा से पहले समुद्री परिवहन के लिए होर्मुज नहीं खोलता है, या कोई 'स्वीकार्य' समझौता नहीं करता है, तो वह 'एक ही रात में' उसे खत्म कर देंगे। व्हाइट हाउस के एक संवाददाता सम्मेलन में ट्रंप ने कहा कि उनका मानना है कि ईरान के 'समझदार' नेता 'नेक नियति' के साथ बातचीत कर रहे हैं, हालांकि परिणाम अभी भी अनिश्चित है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के पास एक ऐसी योजना है जिसके तहत 'ईरान के हर पुल और बिजली संयंत्र (पावर प्लांट) को आधी रात तक नष्ट किया जा सकता है।' उन्होंने यह भी कहा कि इन हमलों के बाद मिलने वाली आजादी से ईरानी लोगों को अंततः लाभ 'हो सकता' है। इस बीच, इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने सोशल मीडिया पर फारसी भाषा में एक चेतावनी जारी की है, जिसमें ईरान के लोगों को आज ट्रेन से यात्रा न करने की सलाह दी गई है।

सेना के सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की गई एक पोस्ट में ईरानी लोगों से 'अपनी सुरक्षा के खातिर' पूरे देश में 'ईरानी समय के अनुसार सत 21:00 बजे तक' ट्रेन का उपयोग करने और उससे यात्रा करने से बचने का आग्रह किया गया है।

पिकअप पलटने से 2 महिलाओं की मौत, 35 घायल

जगदलपुर। बस्तर जिले के लोहंडीगुड़ा क्षेत्र में एक पिकअप के अनियंत्रित होकर पलट जाने से दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 35 लोग घायल हो गए। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा ग्राम घोटिया से घानामारी की ओर जाने वाले मार्ग पर एक मोड़ के पास हुआ।

पिकअप वाहन में बड़ी संख्या में ग्रामीण सवार थे, जो नारायणपुर जिले से शादी कार्यक्रम में शामिल होकर अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान मोड़ पर वाहन चालक संतुलन खो बैठा और वाहन सड़क किनारे पलट गया। लोहंडीगुड़ा थाना प्रभारी रवि बैगा ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। 35 घायलों में कुछ लोगों की हालत सामान्य है। हादसे में घायल लोगों को तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए हिमरापाल स्थित मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वाहन में क्षमता से अधिक लोग सवार थे, जिससे संतुलन बिगड़ने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, सड़क का घुमावदार मोड़ भी दुर्घटना का एक प्रमुख कारण माना जा रहा है। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और परिजनों में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी बनाने वाले अधिनियम को राष्ट्रपति की मंजूरी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अमरावती को आंध्र प्रदेश की नई राजधानी बनाने से संबंधित आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) अधिनियम, 2026 को मंजूरी दे दी है।

विधि और न्याय मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी कर कहा है कि राष्ट्रपति ने इस अधिनियम को सोमवार को मंजूरी दे दी। अधिसूचना में कहा गया है कि इस अधिनियम को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) अधिनियम, 2026 कहा जा सकता है और यह आगामी 2 जून से लागू माना जाएगा। दो जून से अमरावती विधिवत रूप से आंध्र प्रदेश की राजधानी बन जाएगी। उल्लेखनीय है कि संसद के दोनों सदनों ने बजट सत्र के दूसरे चरण में इससे संबंधित विधेयक को मंजूरी दी थी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस अधिसूचना को साझा करते हुए कहा है कि अमरावती आंध्र प्रदेश की राजधानी है। एक प्रभावी ट्वीट में उन्होंने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा है, आंध्र प्रदेश की प्रजा की ओर से, मैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु जी का आंध

भारत के पहले 500 मेगावाट के पीएफबीआर ने कलपक्कम में क्रिटिकैलिटी हासिल की: पीएम मोदी

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रात घोषणा करते हुए कहा कि भारत के द्वितीय पीढ़ी के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को गति देने वाली एक ऐतिहासिक घटना में कलपक्कम में स्थित स्वदेशी 500 मेगावाट के प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने क्रिटिकैलिटी हासिल कर ली। क्रिटिकैलिटी क्षमता से तात्पर्य रिएक्टर को नियंत्रित श्रृंखला अभिक्रिया से है।

मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा- भारत ने अपने नागरिक परमाणु यात्रा में एक निर्णायक कदम उठाया है, अपने परमाणु कार्यक्रम के दूसरे चरण को आगे बढ़ाया है। स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित कलपक्कम स्थित पीएफबीआर ने क्रिटिकैलिटी हासिल कर ली है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने कलपक्कम में क्रिटिकैलिटी हासिल कर ली है। यह उन्नत रिएक्टर, अब खपत से अधिक ईंधन उत्पादन करने में सक्षम है जो हमारी वैज्ञानिक क्षमता की गहराई और इंजीनियरिंग कौशल की ताकत को दर्शाता है। यह कार्यक्रम के तीसरे चरण में हमारे विशाल थोरियम भंडार का दोहन करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

केरल विधानसभा चुनाव के लिए 76,000 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात, तैयारियां पूरी

तिरुवनंतपुरम। आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पूरे केरल राज्य में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था पूरी कर ली गई है, जिसमें सुचारू और घटना-मुक्त मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए 76,000 से अधिक पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। राज्य पुलिस प्रमुख रावड़ा ए. चंद्रशेखर ने बताया कि निगरानी एवं समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से, पूरे राज्य को विशेष सुरक्षा क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, जहां वरिष्ठ अधिकारी संचालन का नेतृत्व कर रहे हैं।

पुलिस संरचना को 154 चुनाव उप-मंडलों में पुनर्गठित किया गया है, जो जिला पुलिस प्रमुखों की देखरेख में कार्य कर रहे हैं। सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है, जहां 28,209 विशेष पुलिस अधिकारियों सहित 76,203 कर्मियों को 30,471 मतदान केंद्रों पर तैनात किया गया है।

रसोई गैस के बाद अब पीएनजी भी महंगी, आईजीएल ने बढ़ाये दाम

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के कारण रसोई गैस (एलपीजी) के बाद अब पाइपलाइन के जरिये किचन तक आने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के दाम भी बढ़ गये हैं। दिल्ली-एनसीआर के साथ कानपुर, मेरठ, अजमेर जैसे कई शहरों में घरों में पीएनजी की आपूर्ति करने वाली कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने एक अप्रैल से पीएनजी की कीमत बढ़ाकर दिल्ली में 49.59 रुपये प्रति मानक घन मीटर (एससीएम) कर दिया है। इससे पहले एक जनवरी 2026 से इसकी कीमत 47.89 रुपये प्रति एससीएम थी। इस प्रकार राष्ट्रीय राजधानी में पीएनजी 1.70 रुपये प्रति एससीएम महंगी हो गयी है। एनसीआर के दूसरे शहरों में भी कीमत 1.70 रुपये प्रति एससीएम बढ़ाई गयी है जबकि दूसरे शहरों में पीएनजी एक रुपये महंगी की गयी है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में एक एससीएम पीएनजी की कीमत 47.76 रुपये से बढ़ाकर 49.46 रुपये कर दी गयी है।

मुजफ्फरनगर, मेरठ और शामली में कीमत 47.35 रुपये से बढ़ाकर 48.35 रुपये, अजमेर, पाली और राजसमंद में 47.27 रुपये से बढ़ाकर 48.27 रुपये तथा कानपुर, फतेहपुर, हमीरपुर और चित्रकूट में 47.95 रुपये से बढ़ाकर 48.95 रुपये कर दी गयी है। दूसरे शहरों में कीमतों में इसी प्रकार वृद्धि हुई है।

पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद सात मार्च को घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 60 रुपये बढ़ाये गये थे। वहीं, वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के दाम एक मार्च, सात मार्च और एक अप्रैल को तीन बार में 338 रुपये बढ़ चुकी है।

कोरबा जैसे जिलों में महुआ संग्रहण बड़ी चुनौती भी है

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है छत्तीसगढ़ का पीला सोना 'महुआ', कोरबा में हाथियों से बचकर ग्रामीण कर रहे संग्रहण

कोरबा। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में इन दिनों महुआ संग्रहण का कार्य जोर-शोर से जारी है। सूर्य की पहली किरण के साथ ही ग्रामीण खासतौर पर महिलाएं और बच्चे जंगलों की ओर महुआ संग्रहण के लिए निकल पड़ते हैं. महुआ ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार है. भले ही यह अतिरिक्त आमदनी का जरिया है लेकिन इसके लिए कोरबा जैसे जिलों में अतिरिक्त जोखिम भी उठाना पड़ता है. हाथियों के मूवमेंट वाले इलाकों में वन विभाग भी मॉनिटरिंग कर लोगों को सहयोग कर रहा है।

लगातार बना हुआ है हाथी और भालू का विचरण

कोरबा और कटघोरा वन मंडल के जंगलों में हाथी और भालू के विचरण की सूचना लगातार सामने आती रहती हैं. इससे महुआ संग्रहण पर जाने वाले ग्रामीणों में कहीं न कहीं भय का माहौल भी रहता है. कई इलाकों में हाथियों के झुंड देखे जाने की सूचना है. वहीं भालू के हमले की आशंका भी बनी रहती है.

33 मिलता है समर्थन मूल्य

सरकार ने महुआ संग्रहण करने वाले परिवार के लिए 33 रुपए का समर्थन मूल्य भी घोषित किया है। हालांकि इसका बाजार मूल्य कहीं अधिक रहता है। वन विभाग इसे अधिकृत तौर पर खरीदता है। महुआ संग्रहण करने के बाद इसे वन समितियां के माध्यम से ग्रामीण वन विभाग को बेचते हैं। इसके बाद इसे कई उत्पादों के निर्माण के लिए अलग-अलग स्थान पर भेजा जाता है. कोरबा और कटघोरा वन मंडल के महुआ को काफी अच्छी क्वालिटी का माना जाता है, जमीन में गिरने के पहले जाली लगाकर ताजा महुआ कलेक्ट किया जाता है. इस फूड ग्रेड क्वालिटी के महुआ की मांग अधिक रहती है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है छत्तीसगढ़ का पीला सोना महुआ

जिले में 75 हजार से अधिक संग्राहक परिवार

कोरबा जिले का महुआ विदेश तक भी निर्यात किया जाता है। ऐसे में कोरबा जिले के दोनों वन मंडल में लगभग 75 हजार परिवार महुआ संग्रहण का काम करते हैं और अतिरिक्त लाभ भी कमाते हैं। कोरबा वनमंडल की बात करें तो यहां लगभग 28 हजार परिवार महुआ संग्रहण का काम करते हैं, जबकि कटघोरा वनमंडल में इससे अधिक 39 हजार परिवार महुआ संग्रहण करते हैं। यह सभी ऐसे परिवार हैं, जो गांव में बसते हैं और काफी निचले तबके के होते हैं। इन सभी को महुआ के माध्यम से हर साल अतिरिक्त आमदनी हो जाती है. ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है, जो सरकारी दर की जगह खुले बाजार में और अधिक दाम पर महुआ बेचते हैं। एक अनुमान के मुताबिक बाजार में 50 प्रति किलो तक के दाम में महुआ के खरीदी होती है। ग्रामीण खासतौर पर महिलाएं और बच्चे जंगलों की ओर महुआ संग्रहण के लिए जाते हैं।

50 हजार क्विंटल का उत्पादन

महुआ का संग्रहण गर्मी के दो ढाई महीना के दौरान ही होता है. इसी दौरान महुआ की पैदावार होती है और ग्रामीण दोपहर में ही महुआ का संग्रहण करते हैं।

ज्ञानेश कुमार को हटाने का प्रस्ताव लोकसभा अध्यक्ष ने किया खारिज

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटाने संबंधी लोकसभा के 130 सदस्यों के हस्ताक्षर वाले प्रस्ताव को सोमवार देर रात खारिज कर दिया।

लोकसभा सचिवालय के अनुसार, बिरला ने संविधान के अनुच्छेद 324(5) के तहत कुमार को उनके मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से हटाने की मांग करने वाले सदन के कुछ सदस्यों के 'प्रार्थना के प्रस्ताव' की सूचना को खारिज कर दिया है। लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह के हस्ताक्षर वाले नोट में सदस्यों को सूचित किया गया है कि गत 12 मार्च के एक प्रस्ताव पर लोकसभा के 130 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए हैं। इसमें कहा गया है कि इस प्रस्ताव को लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। आधिकारिक सूचना में कहा गया है, प्रस्ताव की सूचना पर विधिवत विचार और उससे जुड़े सभी पहलुओं का निष्पक्ष आकलन करने के बाद, लोकसभा अध्यक्ष ने न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 की धारा 3 के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए उक्त प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है।

छत्तीसगढ़ सरकार गांवों के विकास के लिए कर रही कार्य : उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री ने 5.36 करोड़ की लागत से बनने वाली सड़क निर्माण का किया भूमिपूजन

- **4.20 किमी की बनेगी पक्की सड़क, गांवों का शहर से संपर्क होगा मजबूत**
- **गन्ना किसानों की राह होगी आसान, किसानों को मिलेगा लाभ**

कवर्धा। कबीरधाम जिला में आधारभूत संरचना को मजबूती देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए बिलासपुर मार्ग से दौजरी होते हुए नाऊडिह तक 4.20 किलोमीटर लंबाई के महत्वपूर्ण मार्ग के मजबूतीकरण एवं निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने ग्राम नाऊडिह में 5 करोड़ 36 लाख 58 हजार रुपये की लागत से बनने वाले इस सड़क, पुल पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर कार्य की शुरुआत की। यह मार्ग क्षेत्र के किसानों की महत्वपूर्ण मार्ग के रूप में जाना जाता है, जो मुख्य जिला मार्ग रबेली-प्रतापपुर को राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-30 से सीधे जोड़ते हुए आवागमन की मुख्य धुरी का कार्य करता है। इस मार्ग से किसानों को भोरमदेव शक्कर कारखाना तक पहुंचने में अब बड़ी सुविधा मिलेगी। लंबे समय से जर्जर स्थिति में होने के कारण स्थानीय ग्रामीणों और किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, जिसे अब दूर करने की दिशा में ठोस पहल की गई है। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने किसानों को ऋण पुस्तिका का वितरण किया। उन्होंने खेल मैदान के निर्माण के लिए घोषणा की। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, आवास, किसान हित और महिला सशक्तिकरण से जुड़े अनेक कार्य तेजी से धरातल पर उतर रहे हैं, जिससे गांवों की तस्वीर बदल रही है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जनहित के संकल्प को लेकर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की महिलाओं के खातों में हर माह 1 हजार की राशि डाली जा रही है। अब तक 25 किस्तों के माध्यम से प्रत्येक महिला के खाते में 25 हजार की राशि पहुंच चुकी है, जिससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति सशक्त हो रही है। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि सरकार बनने के बाद सबसे पहला बड़ा निर्णय प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास स्वीकृति का लिया गया।

एक साथ 18 लाख आवासों की स्वीकृति दी गई, जो एक ऐतिहासिक कदम है। इसके साथ ही आवास प्लस का सर्वे भी पूरा हो चुका है और पात्र हितग्राहियों को आगे भी आवास उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि गांवों में विकास कार्यों की गति लगातार बढ़ रही है, लेकिन इसकी सफलता के लिए ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता भी आवश्यक है। उन्होंने सभी ग्रामवासियों से विकास कार्यों में सहयोग देने और योजनाओं का लाभ लेने कहा।

देश के व्यापक परिप्रेक्ष्य में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रभावी कदम उठाए गए और इसमें सफलता मिली। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि क्षेत्र में किसान हितों को ध्यान में रखते हुए तहसील कार्यालय परिसर में किसान सदन का निर्माण भी किया गया है, जिससे किसानों के विश्राम के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

सड़क से किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

इस मार्ग पर क्षेत्र के हजारों किसान अपने गन्ना उत्पादन को ट्रैक्टरों के माध्यम से शक्कर कारखानों तक पहुंचाते हैं। सड़क के मजबूत और सुगम होने से परिवहन व्यवस्था आसान होगी, लागत घटेगी और किसानों की आय में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

ग्रामीणों और विद्यार्थियों को राहत

सड़क निर्माण से न केवल किसानों बल्कि आम नागरिकों और विद्यार्थियों को भी बड़ी राहत मिलेगी। गांवों से शहर तक पहुंचना अब आसान होगा, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों तक पहुंच बेहतर होगी।

विकास की दिशा में मजबूत कदम

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से इस महत्वपूर्ण मार्ग के निर्माण की स्वीकृति मिली है। यह परियोजना ग्रामीण अंचलों को मुख्य मार्गों से जोड़ते हुए क्षेत्रीय विकास को नई गति प्रदान करेगी। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान कृषक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नितेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही।

निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में कार्य पूरा करें : कलेक्टर गोपाल वर्मा

कलेक्टर ने पचराही में निर्माणाधीन गौधाम का किया निरीक्षण, परखी गुणवत्ता

- **ग्राम पचराही में लगभग 10 एकड़ में बन रहा गौ प्रशिक्षण केंद्र सह गौधाम**

कवर्धा। जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र बोड़ला विकासखंड के ग्राम पचराही में पशु संरक्षण और ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के तहत गौ प्रशिक्षण केंद्र सह गौधाम का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। लगभग 10 एकड़ में विकसित हो रहा यह प्रोजेक्ट न केवल निराश्रित गौवंश के संरक्षण का केंद्र बनेगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए प्रशिक्षण और रोजगार के नए अवसर भी तैयार करेगा। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने स्थल का निरीक्षण कर विभिन्न संरचनाओं का बारीकी से जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। इस गौधाम में आधुनिक सुविधाओं के साथ पशुओं के लिए शेड, उपचार कक्ष, प्रशिक्षण भवन सहित विभिन्न आवश्यक अधोसंरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्माणाधीन शेड, मेडिसिन कक्ष और प्रशिक्षण भवन का बारीकी से जायजा लिया तथा कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप और उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। कलेक्टर वर्मा ने स्पष्ट रूप से कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने संबंधित इंजीनियरों को नियमित मॉनिटरिंग करने और कार्यस्थल पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए, ताकि समय-सीमा में कार्य पूर्ण हो सके। इस गौधाम में निराश्रित एवं परित्यक्त गौवंश का संरक्षण एवं संवर्धन किया जाएगा। साथ ही यहां स्थापित गौ प्रशिक्षण केंद्र में गोबर, गोमूत्र एवं अन्य गौ-उत्पादों से विभिन्न उपयोगी वस्तुएं बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे स्थानीय ग्रामीणों को स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे और उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। गौरतलब है कि गौधाम परिसर में पशु शेड (चार भागों में), बीमार पशुओं के लिए अलग शेड, बछड़ों के लिए विशेष शेड, प्रशिक्षण शेड, मेडिसिन कक्ष, चैकीदार आवास, चेन लिंक फेंसिंग, ट्यूबवेल एवं विद्युतीकरण जैसे विभिन्न निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। यह परियोजना पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में पशुपालन और गौ-आधारित आजीविका को नई दिशा देगी। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ अभिषेक अग्रवाल, डिप्टी कलेक्टर आर बी देवांगन, अधीक्षक भू अभिलेख गजेंद्र साहू, तहसीलदार हुलेश्वर पटेल, जनपद सीईओ बोड़ला आकाश राजपूत, सहित संबंधित विभाग के अधिकारी एवं तकनीकी कर्मचारी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा का विधायक दीपेश साहू ने भव्य स्वागत किया

बेमेतरा। बेमेतरा में विजय शर्मा, उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री, एक दिवसीय बेमेतरा जिले के प्रवास पर रहे। अपने दौरे के दौरान उन्होंने सर्वप्रथम नगर पंचायत बेरला स्थित अटल परिसर, बाजार चौक, बेमेतरा अटल परिसर, सिग्नल चौक एवं करेसारा चौक पहुंचकर भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए नमन किया। इस अवसर पर दीपेश साहू के नेतृत्व में साजा एवं बेरला क्षेत्र के भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ताओं द्वारा उपमुख्यमंत्री का भव्य एवं आत्मीय स्वागत-अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे, जिससे पूरा वातावरण उत्साह और गौरव से परिपूर्ण हो उठा। कार्यक्रम के दौरान विधायक दीपेश साहू ने अपने विस्तृत एवं ओजस्वी संबोधन में छत्तीसगढ़ को नक्सलमुक्त बनाने

की दिशा में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे ऐतिहासिक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश के लिए एक नए युग की शुरुआत है। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा प्रदेश के गृह मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सशक्त नेतृत्व, दृढ़ इच्छाशक्ति और दूरदर्शी नीति के कारण आज छत्तीसगढ़ नक्सलवाद जैसी गंभीर समस्या से मुक्ति की ओर तेजी से अग्रसर है। विधायक दीपेश साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में सुरक्षा, सुशासन और विकास का जो वातावरण बना है, उसका सीधा लाभ छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों को मिला है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा नक्सलवाद के विरुद्ध अपनाई गई कठोर और प्रभावी रणनीति ने इस समस्या की जड़ को कमजोर कर नक्सल वाद छत्तीसगढ़ से समाप्त किया है। वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन और प्रदेश के गृह मंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए विकास कार्यों को गति दी गई है, जिससे आज प्रदेश के दुरस्थ क्षेत्रों तक शांति और विकास की किरण पहुंच रही है। उन्होंने आगे कहा कि यह सफलता केवल सरकार की नहीं, बल्कि हमारे वीर जवानों के अदम्य साहस, सुरक्षा बलों की सतत कार्यवाही और प्रदेश की जनता के सहयोग का परिणाम है। बेमेतरा सहित पुरा प्रदेश इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहा है। विधायक दीपेश साहू ने क्षेत्रवासियों से आह्वान करते हुए कहा कि वे प्रदेश को पूर्णतः नक्सलमुक्त बनाने के इस अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें और विकास की इस यात्रा में भागीदार बनें।

कार्यक्रम के अंत में सभी जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने एक स्वर में छत्तीसगढ़ को पूर्णतः नक्सलमुक्त एवं विकसित राज्य बनाने का संकल्प दोहराया।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 360 मरीजों को उच्च प्रोटीन युक्त पोषण आहार वितरण

दल्लीराजहरा। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सेल भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा प्रशासनिक भवन स्थित मुख्य महाप्रबंधक सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 360 क्षय रोग (टीबी) मरीजों को उच्च प्रोटीन युक्त पोषण आहार पैकेट वितरित किए गए। यह कार्यक्रम लौह अयस्क समूह दल्लीराजहरा के सौजन्य एवं महिला समाज दल्लीराजहरा के सहयोग से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ उपमहाप्रबंधक सह नगर प्रशासक टाउनशिप, दल्लीराजहरा द्वारा स्वागत भाषण के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्य की जानकारी दी। इस कार्यक्रम के मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्रोत लौह अयस्क समूह दल्लीराजहरा के मुख्य महाप्रबंधक आर.बी. गहरवार ने अपने उद्बोधन में

कहा कि यह पहल केवल सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मरीजों के स्वास्थ्य, आत्मविश्वास एवं जीवन को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यक्रम में उपस्थित क्षय रोग विशेषज्ञ डॉ. पी.एल. मेरिया द्वारा टीबी के लक्षण, उपचार एवं बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि टीबी एक गंभीर बीमारी है, किन्तु समय पर सही इलाज, संतुलित पोषण एवं समाज के सहयोग से इसे पूरी तरह समाप्त किया जा सकता है। महिला समाज दल्लीराजहरा की अध्यक्ष रेखा गहरवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि जो व्यक्ति दूसरों के दर्द को समझता है, वही सच्चा इंसान होता है तथा सेवा के मार्ग पर चलकर जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। इस अवसर पर अनुरक्षण एवं सेवा विभाग के महाप्रबंधक मयाराम ठाकुर, महामाया, दुलकी एवं कलवर खदान के महाप्रबंधक अरुण कुमार, तथा डौण्डी ब्लॉक के क्षय रोग उन्मूलन प्रभारी मनेश निर्मलकर ने भी अपने विचार व्यक्त किए और इस अभियान को जन-जन तक पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके पश्चात मुख्य महाप्रबंधक आर.बी. गहरवार, उपमहाप्रबंधक मनेश शेलकर एवं महिला समाज के पदाधिकारियों द्वारा क्षय रोग मरीजों को उच्च प्रोटीन युक्त पोषण आहार पैकेट वितरित किए गए। कार्यक्रम का सफल संचालन अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी घनश्याम पारकर द्वारा किया गया जबकि आभार प्रदर्शन सी.एस.आर. विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक दुर्गेश मजगहे ने किया।

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर बूथों में हुआ ध्वजारोहण, संगठन की मजबूती पर दिया गया जोर

बेमेतरा। नगर में भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर बूथ क्रमांक 27, 28, 29, 30 एवं 31 में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विजय सिन्हा द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पार्षद नीतू कोठारी, दोहाई वर्मा, भानु साहू, गोलू साहू, लच्छन वर्मा, गिरवर साहू, डॉ. दामिन वर्मा, वैभव तिवारी, नंदलाल वर्मा सहित समस्त भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए और पार्टी के स्थापना दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर विजय सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने सभी को एक झंडे के नीचे जोड़कर संगठन को मजबूत करने

का कार्य किया। उनके विचारों और सिद्धांतों के चलते आज भारतीय जनता पार्टी एक विशाल वट वृक्ष के रूप में विकसित होकर विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है। कार्यक्रम के अंत में कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनसेवा के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना के लिए आवेदन आमंत्रित

कवर्धा। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना अंतर्गत जिले के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के ग्रामीण प्रतिभावान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हुए उनमें नई सोच का विकास करना, बेहतर कैरियर चयन हेतु मार्गदर्शन देना, प्रतिस्पर्धी वातावरण में तैयार करना तथा उनके बहुमुखी व्यक्तित्व विकास के लिए अवसर उपलब्ध कराना है। योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक छत्तीसगढ़ राज्य के चयनित उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों में निःशुल्क अध्ययन की सुविधा प्रदान की जाएगी। इन विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए निर्धारित मान्य शुल्क की प्रतिपूर्ति विभाग द्वारा की जाएगी। योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु जिले में संचालित इच्छुक एवं पात्र संस्थाओं से रुचि की अभिव्यक्ति के प्रारूप में प्रस्ताव आमंत्रित किए गए है। सभी इच्छुक संस्थाएं अपने प्रस्ताव कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, कबीरधाम में 23 अप्रैल 2026, शाम 5 बजे तक अनिवार्य रूप से जमा कर सकते हैं। योजनांतर्गत संस्थाओं के लिए निर्धारित मापदंड, पात्रता एवं अन्य विस्तृत जानकारी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है, जिसका अवलोकन कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

जिला प्रशासन के नीर चेतना अभियान का सकारात्मक असर अब जिले के खेतों में दिखने लगा

दल्लीराजहरा। भारत सरकार की तिलहन प्रोत्साहन योजनाओं और जिला प्रशासन के नीर चेतना अभियान का सकारात्मक असर अब जिले के खेतों में दिखने लगा है। कृषि विभाग द्वारा आयोजित कृषक चौपाल और फसल चक्र परिवर्तन के संदेश से प्रेरित होकर जिले के किसानों ने पारंपरिक खेती के साथ-साथ तिलहन उत्पादन, विशेषकर कुसुम की खेती की ओर कदम बढ़ाए हैं। कृषि विभाग के उप संचालक आशीष चंद्राकर ने बताया कि जिले में कृषि विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और प्रशिक्षण का ही परिणाम है कि जिस कुसुम की खेती का रकबा पहले शून्य था, वह इस वर्ष बढ़कर 157 हेक्टेयर तक पहुंच गया है। उन्नत बीजों का चयन, कतार पद्धति से बुआई और संतुलित उर्वरक प्रबंधन के कारण वर्तमान में फसल की स्थिति अत्यंत उत्साहजनक है। स्थानीय किसानों के अनुसार, कुसुम की खेती कई मायनों में फायदेमंद है, कम जल खपत, इसे बहुत ही सीमित सिंचाई की आवश्यकता होती है। यह फसल कम समय में तैयार हो जाती है और लागत भी न्यूनतम आती है। कुसुम की खेती मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने में सहायक मानी जाती है। मौसम अनुकूल रहने पर अच्छी पैदावार से किसानों की आय दोगुनी होने की प्रबल उम्मीद है। घरेलू तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जिले के सभी विकासखंडों के 37 ग्रामों के 194 कृषकों ने पहली बार नवीन तिलहन फसल के रूप में कुसुम का प्रदर्शन लिया है। जिले में भविष्य में कुसुम की खेती के विस्तार हेतु बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं। कुल कृषकों में से 79 कृषकों ने 101 हेक्टेयर क्षेत्र में बीज उत्पादन हेतु बीज निगम में पंजीयन कराया है। इससे आने वाले समय में जिले के किसानों को स्थानीय स्तर पर ही उन्नत बीज प्राप्त हो सकेंगे।

जिले के सभी ग्राम पंचायतों में चावल उत्सव के साथ होगा रोजगार एवं आवास दिवस का आयोजन

- **रोजगार एवं आवास दिवस पर निर्माण कार्यों में आ रही समस्याओं का होगा निराकरण**
- **जल संरक्षण,आजीविका एवं आवास पूर्ण करने पर होगी ग्रामीणों से चर्चा**

कवर्धा। जिले के समस्त ग्राम पंचायतों में रोजगार एवं आवास दिवस के साथ चावल उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर ग्रामीण विकास व आजीविका संवर्धन से जुड़े विभिन्न जन कल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी ग्रामीणों को दी जाएगी। महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत सभी प्रगतिरत कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने एवं मांग के आधार पर नए कार्य प्रारंभ करने पर चर्चा की जाएगी। जल संरक्षण के लिए मोर-गांव-मोर-पानी, मोर तरिया अभियान में नवा तरिया-आय के जरिया अभियान अंतर्गत समस्त संकुल स्तरीय संगठन के लिए नवा तरिया निर्माण करने उपयुक्त स्थलों का चिन्हांकन हेतु ग्रामीणों से चर्चा होगी। जिला पंचायत सीईओ अभिषेक अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि रोजगार एवं आवास दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री आवास के निर्माण को गति देने के लिए ग्रामीणों से विचार विमर्श होगा। निर्माण कार्य में आ रही समस्याओं का समाधान, सामग्रियों की आपूर्ति सहित हितग्राहियों को आजीविका से जोड़ने पर बातचीत की जाएगी। प्रधानमंत्री आवास एवं जनमन आवास को 90 दिवस में पूर्ण करने के लिए ग्रामीणों के साथ मिलकर कार्य योजना बनाई जाएगी। सभी ग्राम पंचायतों में रोजगार एवं आवास दिवस आयोजन करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य शासन की योजनाओं एवं नए निर्देशों से ग्रामीणों को परिचित कराना है। सीईओ अभिषेक अग्रवाल ने आगे बताया की रोजगार एवं आवास दिवस के साथ चावल उत्सव मनाया जाएगा और विभाग अंतर्गत अन्य महत्वपूर्ण विषय पर ग्रामीणों का ज्ञानवर्धन किया जाना है। ज्ञात हो की प्रत्येक माह की 7 तारीख को प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतो में रोजगार एवं आवास दिवस के साथ चावल उत्सव का आयोजन किया जाता है जिसमें ग्रामीण बड़ी संख्या में भागीदारी करते हैं।

28 दिन का महीना बनाकर कंपनियां वसूल रहीं '13वां रिचार्ज'

- **बचा डेटा हर रात 12 बजे खत्म, सालभर में 150जीबी तक नुकसान, प्रज्ञा निर्वाणी ने केंद्रीय टेलीकॉम मंत्री को लिखा पत्र**

बेमेतरा। टेलीकॉम कंपनियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी ने केंद्रीय दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा की मांग की है। प्रज्ञा निर्वाणी ने पत्र में लिखा कि कंपनियां तकनीकी नियमों के नाम पर आम जनता से योजनाबद्ध तरीके से अतिरिक्त वसूली कर रही है, जिसे अब रोका जाना जरूरी है।

समझिए '13 महीने' का गणित-कंपनियां 28 दिन का रिचार्ज देती हैं, 1 साल = 365 दिन, 28*13 = 364 दिन, यानी उपभोक्ता को सालभर सेवा के लिए 13 बार रिचार्ज कराना पड़ता है, जबकि वर्ष 12 महीनों का होता है, इसे प्रज्ञा निर्वाणी ने एक महीने की अतिरिक्त वसूली बताते हुए डेटा खत्म होने का खेल, हर दिन डाटा प्लान : 1.5जीबी प्रतिदिन, औसत उपयोग: 1 जीबी, रोजाना 500जीबी डेटा बेकार, 30 दिन में 915जीबी नुकसान, 1 साल में 150 जीबी से ज्यादा डेटा समाप्त। उन्होंने कहा कि यह डेटा उपभोक्ता ने खरीदा है, फिर भी उसे उपयोग करने का अधिकार नहीं मिल रहा।

रात 12 बजे 'डेटा शून्य' क्यों?-प्रज्ञा निर्वाणी ने सवाल उठाया कि बचा हुआ डेटा हर रात 12 बजे क्यों खत्म कर दिया जाता है? इसे अगले दिन उपयोग करने या सेव करने की सुविधा क्यों नहीं? उन्होंने कहा कि जब पैसे और डिजिटल सेवाएं ट्रांसफर हो सकती हैं,तो खरीदा हुआ डेटा किसी अन्य नंबर पर ट्रांसफर क्यों नहीं किया जा सकता? केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव से पत्र में मांग करते हुए लिखा कि अनयूज्ड डेटा को कैरी फॉरवर्ड किया जाए, डेली डेटा को अगले दिन उपयोग की अनुमति मिले, डेटा ट्रांसफर की सुविधा लागू हो। बिना रिचार्ज इनकमिंग कॉल जारी रहे, 28 दिन की जगह 30/31 दिन की वैधता अनिवार्य हो। प्रज्ञा निर्वाणी ने कहा यह केवल तकनीकी व्यवस्था नहीं, बल्कि करोड़ों उपभोक्ताओं के साथ आर्थिक अन्याय है। कंपनियां नियमों की आड़ में जनता की जेब पर सीधा वार कर रही हैं। सरकार को तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए। इस मुद्दे के सामने आने के बाद उपभोक्ताओं में भी नाराजगी देखी जा रही है, विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि इस दिशा में ठोस नीति बनी, तो टेलीकॉम सेक्टर में पारदर्शिता और उपभोक्ता हितों को मजबूती मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

जिले में राजस्व पखवाड़ा के तहत शिविरों का आयोजन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशन में जिले में राजस्व पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर राजस्व शिविर लगाकर आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है।इसी क्रम में आज आरंग एवं धरसींवां, अभनपुर तहसील के विभिन्न ग्रामों में राजस्व शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में भैंसा, तुलसी, अमसेना, बाना, गुमा, गुल्लू, परसतराई, गिधौरी, कुकेरा, अकोली, मनोहरा, देवरी, चरौदा, रवेली, नेउरडीह, कुकरा, जरौद, गिधौरी, अकोली, सहित अन्य ग्रामों के ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं दर्ज कराईं।शिविर के दौरान नक्शा बटांकन, बी-1, खसरा संबंधित प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया गया। साथ ही आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र से संबंधित आवेदनों की ऑनलाइन प्रविष्टि लोक सेवा केंद्र के माध्यम से की गई, ताकि निर्धारित समय-सीमा में उनका शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

चाकू लेकर घूम रहा युवक गिरफ्तार, आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई

रायपुर। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के उत्तर ज़ोन में अपराधियों के खिलाफ चल रही सख्त कार्रवाई के तहत पंडरी थाना पुलिस ने एक युवक को धारदार चाकू के साथ गिरफ्तार किया है।पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक अवैध रूप से चाकू लेकर घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दलदल सिवनी स्थित वृंदावन गार्डन के पास घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक धारदार चाकू बरामद किया गया, जिसे पुलिस ने जप्त कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सन्नी यादव (21 वर्ष), निवासी जगन्नाथ पारा, पंडरी, रायपुर के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना पंडरी में अपराध क्रमांक 79/2026 के तहत धारा 25 आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। रायपुर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए असामाजिक तत्वों पर इसी तरह लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अवैध कोयला परिवहन पर खनिज विभाग की कार्यवाही, ट्रैक्टर ट्रॉली जप्त

रायपुर। जिले में खनन माफियाओं का काला कारोबार लगातार पैर पसारता जा रहा है। हालात ऐसे बन चुके हैं कि अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों पर भी हमले होने लगे हैं। जिले में कई बार वन विभाग और अन्य अमले को माफियाओं के गुस्से का सामना करना पड़ा है, जहां जानलेवा हमलों की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं। इसके बावजूद अवैध उत्खनन और परिवहन का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा,इसी बीच खनिज विभाग ने सख्ती दिखाते हुए एक अहम कार्रवाई को अंजाम दिया है।खनिज विभाग को लगातार कोयले के अवैध उत्खनन और परिवहन की शिकायतें मिल रही थीं, जिस पर खनिज निरीक्षक समयलाल गुप्ता ने खनिज अमले के साथ सोहागपुर तहसील के विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण किया, निरीक्षण दौरान ग्राम नवलपुर स्थित रपटा घाट क्षेत्र में एक संदिग्ध ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोका गया, तलाशी लेने पर सामने आया कि वाहन में धान की पराली के नीचे बड़ी मात्रा में कोयला छुपाकर ले जाया जा रहा था, यह ट्रैक्टर आयशर कंपनी का था, जिस पर नंबर प्लेट भी नहीं लगी थी। जांच में वाहन का चेचिस नंबर 924314170051 पाया गया, खनिज विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित कोयले को जब्त कर थाना सोहागपुर में सुरक्षित खड़ा करा दिया, साथ ही वाहन चालक और मालिक के खिलाफ मध्यप्रदेश खनिज नियम 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

जादू-टोना के शक में 71 साल की लाचार महिला को डंडे से पीट-पीटकर मार डाला

रायपुर। जशपुर जिले के बगीचा थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है जहां अंधविश्वास ने इंसानियत को कुचल दिया और एक 71 वर्षीय असहाय बुजुर्ग महिला की बेरहमी से हत्या कर दी गई, मामला ग्राम गीतारी पानी का है जहां 04 अप्रैल 2026 की सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब प्रार्थी सुखेश्वर राम की मां रोज की तरह अपनी बड़ी मां फूलमइत बाई के लिए खाना लेकर उनके प्रधानमंत्री आवास पहुंची और देखा कि वह घर के अंदर मृत हालत में पड़ी हैं, शक होने पर परिजनों को सूचना दी गई और जब कंबल हटाकर देखा गया तो सिर और चेहरे पर गहरे चोट के निशान मिले और पास में लकड़ी का डंडा पड़ा हुआ था, जिससे साफ हो गया कि हत्या बेहद क्रूर तरीके से की गई है, जांच के दौरान गांव वालों ने खुलासा किया कि गांव का ही छन्दु राम उम्र 30 वर्ष निवासी गीतारी पानी, थाना कुनकुरी को लंबे समय से यह शक था कि उसके परिवार के लोग बार-बार बीमार पड़ रहे हैं और इसके पीछे फूलमइत बाई का जादू-टोना है।

सीएम साय ने भव्य संगीतमय श्रीराम कथा महोत्सव में शामिल हुए

छत्तीसगढ़ की धरती के कण-कण में बसे हैं भगवान श्रीराम:मुख्यमंत्री साय

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज जशपुर जिले के कुनकुरी के सालियाटोली में आयोजित भव्य संगीतमय श्रीराम कथा महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन और चरित्र का उल्लेख करते हुए उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस पावन अवसर पर व्यासपीठ पर विराजमान परम पूज्य संत श्री चिन्मयानंद बापूजी को सादर नमन करते हुए कहा कि आज कुनकुरी की यह पावन धरा धन्य हो गई है। उन्होंने कहा कि सालियाटोली का यह स्टेडियम श्रीराम कथा के रसपान से साक्षात श्रीराम का धाम बन गया है और चारों ओर 'जय श्रीराम' की गूंज से वातावरण भक्तिमय हो उठा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्रीराम का छत्तीसगढ़ से अत्यंत गहरा संबंध है। यह माता कौशल्या की पावन धरती है और भगवान श्रीराम का ननिहाल है, जहाँ वे भांजे के रूप में घर-घर में पूजे जाते हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि भगवान श्रीराम ने अपने 14 वर्ष के वनवास का अधिकांश समय दंडकारण्य क्षेत्र एवं छत्तीसगढ़ के जंगलों में बिताया, जिससे यहाँ के कण-कण में राम की उपस्थिति अनुभव होती है। वनवास काल से जुड़े सीता रसोई जैसे अनेक पवित्र स्थल आज भी इस भूमि की आध्यात्मिक विरासत के साक्षी हैं। उन्होंने कहा कि यह हम सभी का सौभाग्य है कि हम उस कालखंड में जीवन जी रहे हैं, जब अयोध्या में भगवान श्रीराम की पुनः प्रतिष्ठा हुई है। श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा ने पूरे भारत को विश्व पटल पर गौरवान्वित किया है, जो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दृढ़ संकल्प से संभव हो सका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने यह संकल्प लिया था कि प्रभु श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को श्रीरामलला के दर्शन कराए जाएंगे। इसी भावना के अनुरूप राज्य सरकार ने गठन के साथ ही श्री रामलला दर्शन योजना प्रारंभ की, जिसके माध्यम से अब तक लगभग 42 हजार श्रद्धालु अयोध्या धाम में भगवान श्रीराम के दर्शन कर चुके हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भगवान श्रीराम भारतीय जनमानस के कण-कण में विराजमान हैं। जांजगीर क्षेत्र में रामभक्ति का विशेष स्वरूप देखने को मिलता है, जहाँ रामनामी समुदाय के लोग अपने रोम-रोम में राम का नाम बसाए हुए हैं और अपनी आस्था के प्रतीक स्वरूप अपने शरीर पर 'राम-राम' का गोदना अंकित कराते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए भगवान राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ से 300 मीट्रिक टन सुगंधित चावल और 100 टन से अधिक हरी सब्जियां अयोध्या भेजी गई थीं। यह विशेष भोग ननिहाल के प्रेम और 500 वर्षों के संघर्ष के पश्चात प्रभु की स्थापना के उपलक्ष्य में समर्पित किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ से गई डॉक्टरों की टीम एवं मेडिकल स्टाफ ने अयोध्या में रामभक्तों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने अवैध धर्मांतरण को रोकने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में धर्म स्वातंत्र्य कानून लागू किया है।

एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने निकली छत्तीसगढ़ की बेटी, मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

- अमिता अपने इस साहसिक अभियान में सफलता प्राप्त कर विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर देश का तिरंगा फहराएंगी

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जांजगीर-चांपा जिले की युवा पर्वतारोही सुश्री अमिता श्रीवास को उनके आगामी माउंट एवरेस्ट अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में पर्वतारोही सुश्री अमिता श्रीवास से मुलाकात के दौरान कहा कि आगामी 9 अप्रैल को सुश्री अमिता विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने के संकल्प के साथ काठमांडू के लिए रवाना हो रही हैं। यह केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि की यात्रा नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की आकांक्षाओं, साहस और आत्मविश्वास की ऊंची उड़ान है। उन्होंने कहा कि अमिता का यह अभियान इस बात का प्रमाण है कि यदि संकल्प अटल हो, तो कोई भी ऊंचाई असंभव नहीं रहती। प्रदेश की बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से नए मानक स्थापित कर रही हैं और छत्तीसगढ़ को नई पहचान दे रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अमिता श्रीवास ने वर्ष 2021 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर माउंट किलिमंजारो को फतह कर पहले ही अपनी क्षमता और दृढ़ता का परिचय दिया है। उनका यह सतत प्रयास न केवल उपलब्धि है, बल्कि प्रदेश की युवा पीढ़ी, विशेषकर बेटियों के लिए एक जीवंत प्रेरणा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अमिता अपने इस साहसिक अभियान में सफलता प्राप्त कर विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर देश का तिरंगा फहराएंगी और छत्तीसगढ़ सहित पूरे राष्ट्र का गौरव बढ़ाएंगी। मुख्यमंत्री ने सुश्री अमिता श्रीवास को इस महत्वपूर्ण अभियान के लिए प्रदेशवासियों की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रात के सन्नाटे में तीन घर साफ आरोपी गिरफ्तार....

- सीसीटीवी ने खोला राज, हैदराबाद से दबोचा गया 'शेट्टी गैंग', 5 लाख के जेवर बरामद

रायपुर। संवाददाता

एक ही रात में तीन बड़ी चोरियों से दहशत फैलाने वाला अंतर्राज्यीय शेट्टी गैंग आखिरकार पुलिस के शिकंजे में आ गया है, 14 मार्च 2026 की रात करीब 3 बजे जीवन-ए कॉलोनी में जब लोग गहरी नींद में थे तब 3-4 बदमाशों ने एक घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसते हुए महिला को डराया और आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात पार कर दिए, इसी के साथ लक्ष्मीनगर और बी कॉलोनी में भी ताला तोड़कर चोरी की वारदातें की गईं, लगातार हुई इन घटनाओं ने पुलिस के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी, थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 127/26, 128/26 और 130/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 331(4), 305, 3(5) और 303(3) में मामले दर्ज कर जांच शुरू की गई, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में साइबर सेल और थाना बसंतपुर की संयुक्त टीम बनाई गई, टीम ने शहरभर के 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, हर मूवमेंट को ट्रैक किया और तकनीकी विश्लेषण के जरिए आरोपियों की लोकेशन दुर्ग, भिलाई, रायपुर होते हुए बिलासपुर और फिर हैदराबाद तक पहुंच गई, इसके बाद पुलिस टीम सीधे हैदराबाद पहुंची और दो दिन तक लगातार निगरानी और दबिश के बाद तीन आरोपियों को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया, पकड़े गए आरोपियों की पहचान शशी कुमार उम्र 23 वर्ष, सेट्टी विजय उम्र 45 वर्ष और सेट्टी सूर्या उम्र 31 वर्ष के रूप में हुई।

एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने निकली छत्तीसगढ़ की बेटी, मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

महतारी वंदन की 26वीं किश्त जारी

छग में महिलाओं के मोबाईल में बजी खुशियों की घंटी........

- 68.48 लाख महिलाओं के खाते में ट्रांसफर हुए 641.62 करोड़ रूपए
- हितग्राही महिलाओं को अब तक 16,240 करोड़ की मदद

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य की महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के लिए संचालित महतारी वंदन योजना की 26वीं किश्त की राशि आज जारी की गई। इसके जारी होते ही हितग्राही महिलाओं के मोबाईल में खुशियों के नोटिफिकेशन की घंटी बज उठी। इस योजना के तहत राज्य की 68 लाख 48 हजार 899 महिलाओं को 641 करोड़ 62 लाख 92 हजार रूपए उनके बैंक खातों में ट्रांसफर किए गए। लाभान्वित हितग्राहियों में 7773 महिलाएं नियद नेल्ला नार के योजना के गांवों की रहने वाली है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की गारंटी को पूरा करने के लिए और महिलाओं की बेहतरी के लिए यह योजना मार्च 2024 में शुरू की गई थी। तब से लेकर अब तक हर महीने हितग्राही महिलाओं को एक-एक हजार रूपए की सहायता राशि नियमित रूप से दी जा रही है।

बकाया बिजली बिल पर छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के बीच तकरार

रायपुर। 2,000 करोड़ रुपये के बकाया बिजली बिल को लेकर चल रहे विवाद में अब तेलंगाना ने बैठक स्थल को लेकर पेंच फंसा दिया है। सात साल पुराने वित्तीय गतिरोध को सुलझाने के लिए दोनों राज्य बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन यह तय नहीं हो पा रहा कि वार्ता रायपुर में होगी या हैदराबाद में। बिजली कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, पूर्ववर्ती रमन सिंह सरकार के कार्यकाल में राज्य बिजली कंपनी ने तेलंगाना सरकार से 1,000 मेगावाट बिजली आपूर्ति का समझौता किया था। प्रारंभ में बिल का भुगतान किया गया, लेकिन बाद में तेलंगाना ने भुगतान करना बंद कर दिया। बकाया राशि धीरे-धीरे 3,600 करोड़ तक पहुंच गई। हालांकि, तेलंगाना सरकार ने किश्तों में 1,600 करोड़ का भुगतान किया, बावजूद 2,000 करोड़ रुपये अब भी बकाया है। तेलंगाना सरकार इस बकाया को मानने से इन्कार कर रही है। भुगतान नहीं होने की स्थिति में छत्तीसगढ़ ने बिजली आपूर्ति पहले ही रोक दी है। भ्रष्टाचार के आरोपों का साया मामला केवल वित्तीय नहीं, बल्कि राजनीतिक भी है।

गुमशुदगी की गुत्थी निकली प्रेम कहानी

- मुंगेली पुलिस ने 20 दिन में युवती को खोजा, सोशल मीडिया की अफवाहों पर भी लगाया फुल स्टॉप

रायपुर। संवाददाता

जिले में गुमशुदगी का मामला उस वक्त नया मोड़ लेता दिखा जब पुलिस की जांच में कथित अपहरण या संदिग्ध गायब होने की कहानी पूरी तरह पलट गई और मामला प्रेम विवाह का निकला, 15 मार्च 2026 को थाना लालपुर क्षेत्र के ग्राम गुरूवाईनडबरी से एक बालिग युवती के गुम होने की सूचना दर्ज होते ही पुलिस हरकत में आई और गुम इंसान कायम कर तकनीकी विश्लेषण, लोकेशन ट्रैकिंग और बेसिक पुलिसिंग के जरिए लगातार पतासाजी शुरू की गई, मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देशन में टीम को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए, जांच के दौरान पुलिस ने हर संभावित एंगल पर काम किया और आखिरकार 04 अप्रैल 2026 को भिलाई में युवती को ईलेश कुमार भास्कर पिता चन्द्र कुमार उम्र 23 वर्ष निवासी गुरूवाईनडबरी के साथ सुरक्षित पाया, पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर विधिवत पूछताछ की और परिजनों के समक्ष युवती का बयान दर्ज किया गया।

4.20 किमी की बनेगी पक्की सड़क, गांवों का शहर से संपर्क होगा मजबूत

गन्ना किसानों की राह होगी आसान,किसानों को मिलेगा लाभ

- उप मुख्यमंत्री ने 5.36 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली सड़क निर्माण का किया भूमिपूजन
- छत्तीसगढ़ सरकार गांवों के विकास के लिए कर रही कार्य-उपमुख्यमंत्री विजय

रायपुर/ संवाददाता

कबीरधाम जिले में आधारभूत संरचना को मजबूती देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए बिलासपुर मार्ग से दौजरी होते हुए नाऊडिह तक 4.20 किलोमीटर लंबाई के महत्वपूर्ण मार्ग के मजबूतीकरण एवं निर्माण कार्य का आज शुभारंभ किया गया। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने ग्राम नाऊडिह में 5 करोड़ 36 लाख 58 हजार रुपए की लागत से बनने वाले इस सड़क, पुल पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर कार्य की शुरुआत की। यह मार्ग क्षेत्र के किसानों की महत्वपूर्ण मार्ग के रूप में जाना जाता है, जो मुख्य जिला मार्ग रबेली - प्रतापपुर को राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-30 से सीधे जोड़ते हुए आवागमन की मुख्य धुरी का कार्य करता है। इस मार्ग से किसानों को भोरमदेव शक्कर कारखाना तक पहुंचने में अब बड़ी सुविधा मिलेगी। लंबे समय से जर्जर स्थिति में होने के कारण स्थानीय ग्रामीणों और किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, जिसे अब दूर करने की दिशा में ठोस पहल की गई है। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने किसानों को ऋण पुस्तिका का वितरण किया। उन्होंने खेल मैदान के निर्माण के लिए घोषणा की। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, आवास, किसान हित और महिला सशक्तिकरण से जुड़े अनेक कार्य तेजी से धरातल पर उतर रहे हैं, जिससे गांवों की तस्वीर बदल रही है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जनहित के संकल्प को लेकर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की महिलाओं के खातों में हर माह 1 हजार की राशि डाली जा रही है। अब तक 25 किस्तों के माध्यम से प्रत्येक महिला के खाते में 25 हजार की राशि पहुंच चुकी है, जिससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति सशक्त हो रही है।उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि सरकार बनने के बाद सबसे पहला बड़ा निर्णय प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास स्वीकृति का लिया गया। एक साथ 18 लाख आवासों की स्वीकृति दी गई, जो एक ऐतिहासिक कदम है। इसके साथ ही आवास प्लस का सर्वे भी पूरा हो चुका है और पात्र हितग्राहियों को आगे भी आवास उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। श्री शर्मा ने कहा कि गांवों में विकास कार्यों की गति लगातार बढ़ रही है, लेकिन इसकी सफलता के लिए ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता भी आवश्यक है। उन्होंने सभी ग्रामवासियों से विकास कार्यों में सहयोग देने और योजनाओं का लाभ लेने कहा।

संपादकीय

हर हादसे के बाद वही कहानी, आखिर क्यों नहीं रुक रहीं भगदड़ में होती मौतें

सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि भगदड़ की घटनाएं लगभग वैसे ही कारणों से होती हैं, जैसे पहले हो चुकी होती हैं। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला ही रहता है।केंद्र और राज्य सरकारों के दावों के बावजूद देश में भगदड़ की घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। बिहार में नालंदा जिले के मघड़ा गांव में मंगलवार को प्राचीन शीतला माता मंदिर में ऐसी ही एक हृदय विदारक घटना में कम से कम आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जिनमें अधिकतर महिलाएं थीं। यह हादसा बताता है कि इस तरह की पहले की घटनाओं से कहीं कोई सबक नहीं लिया गया।प्रारंभिक जांच में इस भगदड़ का कारण मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटना बताया जा रहा है, हालांकि इसकी असली वजह गहन जांच-पड़ताल के बाद ही सामने आ पाएगी। सवाल है कि धार्मिक स्थलों और बड़े आयोजनों में लोगों की भीड़ को व्यवस्थित एवं नियंत्रित करने के लिए शासन एवं प्रशासन की ओर से पुख्ता बंदोबस्त क्यों नहीं किए जाते?सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि भगदड़ की घटनाएं लगभग वैसे ही कारणों से होती हैं, जैसे पहले हो चुकी होती हैं। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला ही रहता है। गौरतलब है कि पिछले कुछ माह में भगदड़ की कई बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं। कुंभ में भगदड़ मचने से अनेक लोग मारे गए थे। इसके बाद बंगलूरु में आरसीबी की जीत के जश्न में आयोजित समारोह में भगदड़ से कई लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा पुरी में भगदड़ ने कई लोगों की जान ले ली थी। इससे पहले हाथरस के एक आश्रम में भगदड़ की वजह से बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने की घटना को भी नहीं भूला जा सकता। आखिर ऐसी कितनी घटनाओं के बाद शासन और प्रशासन चेतेगा। कहा जा रहा है कि नालंदा जिले में शीतला माता मंदिर में श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ जमा हो गई, जिससे भगदड़ मच गई। सवाल है कि स्थानीय प्रशासन धार्मिक स्थलों पर लोगों की संभावित भीड़ का अनुमान लगाने में इतना अक्षम क्यों है?क्या इसका कारण उसकी संवेदनहीनता है या फिर संबंधित अधिकारी इस बात से निश्चिंत होते हैं कि कोई भी घटना हो जाए, उनका कुछ नहीं बिगड़ने वाला। अक्सर यह देखा गया है कि इस तरह के मामलों में निचले स्तर के कर्मियों पर तो तात्कालिक कार्रवाई की जाती है, लेकिन संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती है।धार्मिक स्थलों और बड़े आयोजनों में भगदड़ के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें लोगों की ज्यादा भीड़ जमा होना, बाहर निकलने की सही व्यवस्था न होना, भीड़ को संभालने एवं नियंत्रित करने की व्यवस्था का अभाव और आयोजन स्थल पर बुनियादी सुविधाओं की कमी शामिल है। कई बार ऐसे स्थलों पर अफवाह की वजह से भी इस तरह के हादसे होते हैं।ऐसा नहीं है कि स्थानीय प्रशासन इन कारणों से अनभिज्ञ होता है, इसके बावजूद अगर भगदड़ में निर्दोष लोगों की जान चली जाए, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? क्या ऐसी किसी घटना के बाद संबंधित कर्मचारियों को निलंबित कर देने की कार्रवाई काफी है, क्या इसके लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जानी चाहिए।ऐसा लगता है कि पहले की घटनाओं से न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम लोग संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की जरूरत महसूस करते हैं। बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि नालंदा की इस घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच की जाएगी और दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा।

एक अन्य महत्वपूर्ण चुनौती स्थानीय आदिवासियों के बीच विश्वास की बहाली है। दशकों से विकास की मुख्यधारा से कटे होने के कारण, कई क्षेत्रों में ग्रामीण अब भी सुरक्षा बलों को संदेह की दृष्टि से देखते हैं। नक्सली अक्सर इस अविश्वास का फायदा उठाते हैं और ग्रामीणों को ढाल के रूप में उपयोग करते हैं। सुरक्षा बलों और स्थानीय जनता के बीच के इस गवर्नेंस वैक्यूम को भरना एक लंबी प्रक्रिया है।

नक्सलवाद की समाप्ति की घोषणा के बाद भी बहुत कुछ करना होगा

(अशोक मधुप)

अमित शाह ने कहा कि देश अब नक्सलमुक्त होने की स्थिति में पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि कई बड़े ऑपरेशन जैसे बुद्धा, थंडरस्टॉर्म और ब्लैक फॉरेस्ट चलाए गए। इनमें भारी मात्रा में हथियार, आईईडी फैक्ट्री और अनाज बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़, तेलंगाना और ओडिशा के बड़े इलाके अब नक्सल प्रभाव से बाहर आ चुके हैं। काफी पहले केंद्र सरकार ने घोषणा की थी कि मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा। मार्च 2026 की अवधि से एक दिन पहले ही गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बड़ी घोषणा की। नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री ने कहा कि देश में नक्सलवाद अब लगभग समाप्त हो चुका है। आदिवासी इलाकों में असली न्याय पहुंचा है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि 2014 के बाद केंद्र सरकार की सख्त नीति, सुरक्षा अभियान और विकास योजनाओं के कारण संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार नक्सल प्रभावित क्षेत्र में तेजी से विकास करा रही है। शिक्षा के लिए स्कूल और उपचार के लिए वहां अस्पताल खुल रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि नक्सलवाद की जड़ें खत्म हो रही हैं और आदिवासियों की आवाज अब संसद तक पहुंची है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने समस्या को बढ़ने दिया। मोदी सरकार के फैसलों से हालात बदले हैं। उन्होंने कहा कि नक्सल विचारधारा आदिवासियों को गुमराह करती है और अब देश नक्सलवाद मुक्त बनने की ओर बढ़ रहा है।

उन्होंने साफ कहा कि सरकार ने नक्सलियों से बातचीत नहीं, बल्कि उन्हें खत्म कर विकास को आगे बढ़ाने का रास्ता चुना। उन्होंने कहा कि जो हथियार उठाएगा, उसे कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने दावा किया कि नक्सलियों का पूरा केंद्रीय नेतृत्व, पोलित ब्यूरो और कमेटी अब खत्म हो चुकी है। काफी मारे गए, बहुतों ने सरेंडर किया। कुछ अभी फरार हैं।

शाह ने कहा कि देश अब नक्सलमुक्त होने की स्थिति में पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि कई बड़े ऑपरेशन जैसे बुद्धा, थंडरस्टॉर्म और ब्लैक फॉरेस्ट चलाए गए। इनमें भारी मात्रा में हथियार, आईईडी फैक्ट्री और अनाज बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़, तेलंगाना और ओडिशा के बड़े इलाके अब नक्सल प्रभाव से बाहर आ चुके हैं। सुरक्षा बलों और स्थानीय पुलिस की भूमिका को उन्होंने अहम बताया।

केंद्रीय गृहमंत्री ने बताया कि आजादी के समय देश संसाधनों की कमी और विकास की चुनौतियों से जूझ रहा था। कई दूर-दराज के इलाकों तक सरकार की पहुंच नहीं थी, सड़कों और सुविधाओं का अभाव था। ऐसे हालात में कुछ संगठनों ने इन कमजोरियों का फायदा उठाया। जहां राज्य की पकड़ कम थी, उन्हीं इलाकों को रेड कॉरिडोर बनाया गया। भोले-भाले आदिवासियों को भेदभाव और शोषण के नाम पर भड़काया गया और उनके हाथों में हथियार थमा दिए गए। हकीकत यह है कि इन क्षेत्रों में योजनाबद्ध भेदभाव नहीं, बल्कि विकास की कमी थी, जिसका इस्तेमाल कर हिंसा को बढ़ावा दिया गया।

शाह ने बताया कि केंद्र सरकार ने ऑल एजेंसी अप्रोच अपनाई। इसमें सीआरपीएफ, राज्य पुलिस और खुफिया एजेंसियों के बीच तालमेल बढ़ाया गया। फंडिंग और स्पोर्ट सिस्टम पर प्रहार किया गया। सरेंडर नीति लागू की गई। इसमें आत्मसमर्पण करने वालों को आर्थिक मदद और पुनर्वास दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने हर गांव तक अपनी पहुंच बनाई, इससे नक्सलवाद कमजोर हुआ।

उन्होंने दावा किया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर विकास हुआ। हजारों किलोमीटर सड़कें बनीं, मोबाइल टावर लगाए गए, बैंक, एटीएम और डाकघर खोले गए। शिक्षा के लिए एकलव्य स्कूल, आईटीआई और कौशल केंद्र बनाए गए। उन्होंने कहा कि विकास ही नक्सलवाद खत्म करने का सबसे बड़ा कारण बना। शाह ने कहा कि नक्सलवाद गरीबी से नहीं, बल्कि विचारधारा से पैदा हुआ। उन्होंने कहा कि यह विचारधारा लोकतंत्र में विश्वास नहीं करती और बंदूक के जरिए सत्ता चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासियों को बरगलाकर उनके हाथ में हथियार दिए गए और विकास को रोका गया। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार आगे भी सख्ती और विकास दोनों पर काम जारी रखेगी। उन्होंने आदिवासी समाज को भरोसा दिलाया कि उनकी सुरक्षा और विकास सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अब देश बंदूक से नहीं, संविधान से चलेगा और यही असली जीत है। गृह मंत्री के अनुसार, जिस रेड कॉरिडोर का विस्तार कभी पशुपति से तिरुपति तक माना

जाता था, वह अब सिमटकर केवल कुछ जिलों तक रह गया है। 2014 में जहाँ 126 जिले वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित थे, वहीं 2025-26 तक यह संख्या घटकर मात्र एक अंक में रह गई है। छत्तीसगढ़ का बस्तर संभाग, जो कभी नक्सलियों का अभेद्य किला माना जाता था। अब वह सुरक्षा बलों के नियंत्रण में है और वहां विकास की किरणें पहुँच रही हैं। सरकार के इन दावों की पुष्टि जमीनी आंकड़ों से भी होती है। पिछले कुछ वर्षों में नक्सली हिंसा की घटनाओं में 70 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। सुरक्षा बलों की शहादत के आंकड़ों में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। ऑपरेशन कगार और ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट जैसे लक्षित अभियानों के माध्यम से सुरक्षा बलों ने नक्सली नेतृत्व की कमर तोड़ दी है। 2025 के दौरान ही 300 से अधिक नक्सली मारे गए। इनमें कई शीर्ष कमांडर शामिल थे। इसके साथ ही, हजारों की संख्या में कैडरों ने आत्मसमर्पण किया है,। यह समर्पण इस बात का प्रतीक है कि अब इस विचारधारा का आकर्षण खत्म हो रहा है। इतना सब होने के बावजूद, इन सफलताओं के बावजूद नक्सलवाद की चुनौतियां पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। सबसे बड़ी चुनौती भौगोलिक विषमता है। छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ जैसे घने वन क्षेत्र आज भी सुरक्षा बलों के लिए कठिन परीक्षा बने हुए हैं। नक्सलियों ने अपने पैर पीछे जरूर खींचे हैं, लेकिन वे पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। वे अक्सर घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों का लाभ उठाकर छापामार हमले करने की ताक में रहते हैं। इसके अलावा, अर्बन नक्सलिज्म या वैचारिक उग्रवाद एक नई चुनौती बनकर उभरा है। शहरों में बैठे कुछ बौद्धिक समूह नक्सलियों को वैचारिक और रसद सहायता प्रदान करते हैं। इससे इस समस्या की जड़ें गहरी बनी रहती हैं। जब तक इन वैचारिक और वित्तीय नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त नहीं किया जाता, तब तक उग्रवाद के पुनर्जीवित होने का खतरा बना रहेगा। एक अन्य महत्वपूर्ण चुनौती स्थानीय आदिवासियों के बीच विश्वास की बहाली है। दशकों से विकास की मुख्यधारा से कटे होने के कारण, कई क्षेत्रों में ग्रामीण अब भी सुरक्षा बलों को संदेह की दृष्टि से देखते हैं। नक्सली अक्सर इस अविश्वास का फायदा उठाते हैं और ग्रामीणों को ढाल के रूप में उपयोग करते हैं। सुरक्षा बलों और स्थानीय जनता के बीच के इस गवर्नेंस वैक्यूम को भरना एक लंबी प्रक्रिया है। केवल सड़कों या मोबाइल टावरों का निर्माण पर्याप्त नहीं है; लोगों को यह महसूस कराना होगा कि सरकार उनकी संस्कृति और अधिकारों की रक्षक है। इसके साथ ही, पड़ोसी राज्यों के बीच समन्वय की कमी भी कई बार बाधा बनती है, क्योंकि नक्सली एक राज्य में दबाव बढ़ने पर दूसरे राज्य की सीमा में शरण ले लेते हैं। विकास के मोर्चे पर, सरकार को नियत नेल्लानार (आपका अच्छा गांव) जैसी योजनाओं को और विस्तार देना चाहिए, जो अंतिम छोर तक बुनियादी सुविधाएं पहुँचाने पर केंद्रित है। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण सबसे प्रभावी हथियार है। जब आदिवासियों के बच्चों के पास स्कूल होंगे और उनके युवाओं के पास रोजगार के अवसर होंगे, तो नक्सलियों की भर्ती प्रक्रिया स्वतः ही बंद हो जाएगी। कौशल विकास केंद्रों के माध्यम से स्थानीय युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना नक्सली विचारधारा के ताबूत में आखिरी कील साबित हो सकता है। साथ ही, वन अधिकारों (फॉरेस्ट राइट एक्ट) का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा ताकि आदिवासियों को अपनी जमीन पर मालिकाना हक का अहसास हो और वे उग्रवाद के बहकावे में न आएं। मान्यता है कि नक्सलवाद का पूर्ण उन्मूलन केवल बंदूकों के दम पर संभव नहीं है। वास्तव में ऐसा भी नहीं है। कभी श्रीलंका में लिट्टे बहुत मजबूत संगठन था। उसके लड़ाके बेमिसाल थे। श्रीलंका के साथ भारतवर्ष को भी वह प्रभावित कर रहा था। इस पर भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी (1991), श्रीलंकाई राष्ट्रपति प्रेमदासा रनसिंघे (1993) सहित कई लोगों की हत्या का आरोप है। श्रीलंका सरकार से इस संगठन को खत्म करने का निर्णय लिया। एक झटके में 2009 में लिट्टे पूरी तरह खत्म हो गया। न श्रीलंका सरकार ने उसके लड़ाकों को फुसलाया। न समर्पण के लिए कहा। बंदूक के बल पर लिट्टे को खत्म कर दिया। भारत सरकार तो नक्सलवाद को खत्म करने के लिए इन्हें समझाने और आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित कर रही है। सरकार को अपनी आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति को और अधिक उदार और प्रभावी बनाना चाहिए, ताकि भटक चुके युवा बिना किसी डर के मुख्यधारा में लौट सकें।

इस सबके लिए तकनीकी और खुफिया तंत्र को भी मजबूत करना होगा। आधुनिक तकनीक का उपयोग करके नक्सली गतिविधियों पर नजर रखना और उन्हें समय रहते रोकना संभव है। इसके अलावा, राज्यों और केंद्र के बीच बेहतर समन्वय भी आवश्यक है, क्योंकि नक्सलवाद कई राज्यों में फैला हुआ है। इससे निपटने के लिए संयुक्त प्रयासों की जरूरत होती है। मजबूत इच्छा शक्ति की भी आवश्यकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

नेपाल में सत्ता बदली और जांच के घेरे में आए दिग्गज नेता, 'क्लीनअप ऑपरेशन' शुरू

(पुष्परंजन)

नेपाल में नई सत्ता के आते ही ऐसा लग रहा है मानो भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की कवायद शुरू हो गई है। इसके तहत तीन पूर्व प्रधानमंत्रियों और दो पूर्व मंत्रियों के खिलाफ कथित धनशोधन मामले को लेकर एक विस्तृत जांच शुरू की गई है। नई सरकार के निर्देश पर जांच में जुटे अधिकारियों को वित्तीय गड़बड़ियां मिली हैं। उन्हें इन नेताओं की संपत्तियों के दस्तावेज में विसंगतियां दिखी हैं।

काठमांडो में पुल्चोक स्थित संपत्ति शुद्धिकरण अनुसंधान विभाग (डीएमएलआइ) की ओर से नेपाल पुलिस के केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीआइबी) की मदद से पूर्व प्रधानमंत्रियों शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और पुष्पकमल दहाल के साथ ही पूर्व मंत्रियों आरजू राणा देउबा और दीपक खड़्का के खिलाफ गहन जांच की जा रही है। मामला अब अदालत में है, सरकार की तरफ से जवाब आने पर सुनवाई शुरू होगी। यह नेपाल में नया राजनीतिक परिदृश्य है।

पिछले हफ्ते डीएमएलआइ ने पुलिस मुख्यालय को एक पत्र भेज कर जांच में सहयोग मांगा था। इस अनुरोध पर कार्रवाई करते हुए नेपाली कांग्रेस के नेता और पूर्व मंत्री दीपक खड़्का और नेकपा-एमाले अध्यक्ष व पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को पिछले दिनों उनके निवास से गिरफ्तार कर लिया गया। मामले को विस्तृत जांच के स्तर तक ले जाने से पहले संपत्ति शुद्धिकरण अनुसंधान विभाग ने लगभग छह महीनों तक शुरुआती पूछताछ की थी।

दरअसल, यह चर्चा आम थी कि अब सरकार उस पार्टी की है, जिसके मुखिया रबी लामिछाने करोड़ों रुपए के गबन और धनशोधन जैसे गंभीर मामले में जेल में थे। इस तरह की चर्चा किसी भी सरकार को स्वतः कठघरे में खड़ा कर देती है। यह कार्रवाई भी इसकी कवायद लगती है कि देश के उन दिग्गज चेहरों का मुखौटा उतारो, जो बरसों से सत्ता में थे। माना जा रहा है कि नेपाल में नया निजाम अब यह चाह रहा है कि धनशोधन और दूसरे गैरकानूनी कार्यों में कथित रूप से संलिप्त पूर्व मंत्रियों और प्रधानमंत्रियों के कृत्यों का भी पर्दाफाश हो, ताकि कोई यह न कह सके कि सत्ताधारी पक्ष के सर्वोच्च नेता लामिछाने का अतीत दागदार रहा है।

नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री एवं राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष लामिछाने पर मुख्य रूप से सहकारी संस्थाओं से करोड़ों रुपए के गबन, संगठित अपराध और धनशोधन के गंभीर मामले चल रहे हैं। पूर्व पत्रकार रहे लामिछाने पर आरोप है कि उन्होंने अवैध रूप से सहकारी समितियों का पैसा अपने निजी खाते और गोरखा मीडिया नेटवर्क के खातों में डलवाए थे। पुलिस जांच में पाया गया था कि 16 अरब रुपए लेकर नेपाल से फरार जीबी राई के साथ मिल कर सहकारी घोटालों के पीछे मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक रबी लामिछाने थे। अक्टूबर 2024 में गिरफ्तार होने के बाद से उन पर जिला अदालतों में मामले चल रहे हैं।

राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, नेकपा-एमाले अध्यक्ष केपी शर्मा ओली और कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारियों से यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि नेपाल की जनता देखे कि इन सभी की कमीज, रबी लामिछाने की कमीज से भी गंदी है। इस जांच की शुरुआत विरोध प्रदर्शनों के ठीक अगले दिन नौ सितंबर 2025 को हुई थी। उस दिन हुई तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाओं के बाद सामने आई तस्वीरों में देउबा, खड़्का और प्रचंड के घरों में जले हुए कई नोट दिखाई दिए थे।

पूर्व ऊर्जा मंत्री खड़्का को नौ सितंबर की घटनाओं के दौरान उनके घर से बरामद पैसों की जांच के सिलसिले में हिरासत में लिया गया। हालांकि, अधिकारियों ने अन्य आरोपियों के खिलाफ चल रही जांच के बारे में और जानकारी का खुलासा नहीं किया है। पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की पत्नी आरजू राणा देउबा सितंबर में हुए विरोध प्रदर्शनों तक विदेश मंत्री के पद पर थीं। मगर इस समय वह स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों के उपचार के लिए हांगकांग में हैं। देउबा के बेटे जयवीर सिंह देउबा और उनके रिश्तेदार भूषण राणा देश से बाहर हैं। 28 सितंबर, 2025 को विभाग ने ज्वालाखेल स्थित राणा के घर पर छापा मारा और वहां से कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा दस्तावेज जब्त किए। कुछ दिनों बाद उनके रिश्तेदारों के यहां भी छापे मारे गए। नई सरकार की कार्रवाई से लगता है कि देउबा परिवार की मुश्किलें अभी कम नहीं होने वाली हैं। आठ से 13 सितंबर, 2025 को आंदोलन के समय हुए उग्र प्रदर्शन में देशभर में 76 लोगों की जान चली गई थी। जबकि दो हजार से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस तोड़फोड़ और आगजनी में करीब 85 अरब रुपए की सरकारी संपत्ति का नुकसान हुआ था। संसद तक को लाक्षागृह बना दिया गया। अंततः पिछले साल नौ सितंबर को तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और उनके सभी मंत्रियों को इस्तीफा देना पड़ा था।

प्रकृति ...: साहित्यकारों के प्रेरक पलाश का संरक्षण जरूरी

काफी वर्षों से त्योहारों - दिवसों और विशेष अवसरों सहित देश में घटित सम - सामयिक घटनाओं पर लिखने का मेरा प्रायस मुझे निरंतर साहित्य से जुड़े रहने की प्रेरणा देता आ रहा है । मेरा चंचल मन ही वह प्रेरणा है जो कभी - कभी मुझे प्रकृति के सौंदर्य की ओर खींचने लगता है । ऐसा ही पल मेरे जीवन में विगत दो वर्षों से घुसने का प्रयास कर रहा है । जी ! हां ! मुझे अपनी

ईश्वर द्वारा निर्मित इस प्रकृति ने मानवीय जीवन को संतुलित और स्वस्थ रखने के लिए अनेक सौगातें दी हैं । इसके लिए हमें किसी विशेष प्रयत्न की जरूरत भी नहीं पड़ती है । मनुष्य ने अपनी जीवनशैली को स्वयं अव्यवस्थित कर प्रकृति को चुनौती पेश करने का दुःसाहस किया है ! पर्यावरण को शुद्ध रखने वाले पेड़ - पौधों का संरक्षण भी मनुष्य से नहीं हो पा रहा है ! यह भी कह सकते हैं कि जंगलों में बिना देख - रख के आबोहवा को मनुष्य के अनुकूल रखने वाले वृक्षों को भी खुद मनुष्य अपने स्वार्थ के चलते नुकसान पहुंचाने से बाज नहीं आ रहा है । मै आज बात करना चाहता हूं नेत्रों को शीतलता प्रदान करने वाले टेसू अर्थात पलाश अथवा ढाक के फूल और वृक्ष की । इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि पलाश और प्रकृति का ईश्वर प्रदत्त अटूट रिश्ता रहा है । यह एक ऐसा वृक्ष है जो बसंत ऋतु में शुष्क जंगलों को केसरिया - लाल रंग से दहका कर ऊर्जा और प्राकृतिक सौंदर्य का संदेश देता नजर आता है । ÷ जंगल की आग ÷ अथवा जंगल का राजा कहलाने वाला यह वृक्ष विशेष रूप से आदिवासी संस्कृति में धार्मिक और औषधीय दृष्टि से महत्व रखने वाला है । टेसू अथवा पलाश का वृक्ष पारिस्थितिकी तंत्र का अभिन्न अंग है ।

काफी वर्षों से त्योहारों - दिवसों और विशेष अवसरों सहित देश में घटित सम - सामयिक घटनाओं पर लिखने का मेरा प्रायस मुझे निरंतर साहित्य से जुड़े रहने की प्रेरणा देता आ रहा है । मेरा चंचल मन ही वह प्रेरणा है जो कभी - कभी मुझे प्रकृति के सौंदर्य की ओर खींचने लगता है । ऐसा ही पल मेरे जीवन में विगत दो वर्षों से घुसने का प्रयास कर रहा है । जी ! हां ! मुझे अपनी सेवानिवृत्ति के बाद नगर के शिक्षाविदों का सानिध्य प्राप्त हुआ । राजनांदगांव से 50 किलोमीटर दूर अंबागढ़ चौकी में स्कूल खोलने का प्रस्ताव और नगर के सुधिजनों के साथ अंबागढ़ चौकी जाना ही वह सुनहरा पल रहा जिसने मुझे प्रकृति के अनुपम दृश्य की ओर आकर्षित किया । राजनांदगांव से निकलते ही रामपुर - जंगलपुर से टेसू का नजारा आंखों को सुकून देने लगता है । आगे डोंगरगांव , बांधा बाजार और फिर अंबागढ़ चौकी से चिल्हाटी मार्ग के चारों ओर नजरें घुमाने पर ऐसा प्रतीत होने लगता है मानो प्रकृति अपने आगंतुकों का स्वागत - सत्कार शानदार खिले हुए नारंगी - लाल टेसू के फूलों से कर रही हो ! इन्हीं सारी प्राकृतिक छटाओं के वशीभूत मेरा चंचल मन मानो मुझे ऊर्जा प्रदान करते हुए कह रहा हो = ÷ सफर का असली मजा तब है जब मार्ग में प्रकृति का ऐसा शानदार नजारा मिल जाए ! पलाश के खिले हुए फूलों ने मेरे रोज के सफर को यादगार और न थकने वाली यात्रा बना दिया है । मेरी छः दशक की उम्र के बाद जिंदगी नए रास्ते पर खूबसूरत लम्हों से भरी हुई प्रतीत हो रही है । हर मोड़ पर कुछ नया सीखने - देखने और महसूस करने का मौका शायद मुझे प्रकृति प्रदान कर रही है ! सफर जारी है ... जब तक इस मार्ग पर चलता रहूंगा , हर पड़ाव पर अनुभव की कलम चलती रहेगी ।

पलाश की चर्चा हो और संस्कृत साहित्य को बिसरा दिया जाए , तो बात अधूरी रह जाती है । हमारा सबसे समृद्ध संस्कृत साहित्य सीधे - सीधे पलाश से जुड़ा रहा है । संस्कृत साहित्य में पलाश के सुंदर रूप का वर्णन श्रृंगार रस के रूप में प्रचुरता के साथ हुआ है । पुष्पित पलाश वृक्ष के संबंध में कालिदास जी की कल्पना बहुत ही सरस कही जा सकती है । वे कहते हैं = ÷ बसंतकाल में पवन के झोंको से हिलती हुई पलाश की शाखाएं वन की ज्वाला की तरह प्रतीत होती है । वृक्ष से झड़े हुए नारंगी - लाल फूलों से आच्छादित धरती ऐसी प्रतीत होती है मानो लाल और नारंगी साड़ी में सजी कोई नववधू अपने शयन कक्ष में अपने जीवनसाथी का इंतजार कर रही हो । पलाश के वृक्षों में फूलों का नयनाभिराम खिलखिलाता दृश्य फरवरी माह के अंत से दिखाई पड़ने लगता है । ऐसा लगता है मानों प्रकृति के होलिकोत्सव में यही मुख्य अतिथि हो ! कवियों की कल्पना कुछ अलग ही दृश्य समेटते हुए कहती है कि पलाश के फूल गहरे लाल रंग के साथ तोते की चोंच के समान दिखाई पड़ते हैं । यही कारण है कि संस्कृत साहित्य में पलाश को किन्शुक भी कहा गया है । केवल साहित्य तक ही पलाश की महत्ता सिमटी हो , ऐसा नहीं है । आयुर्वेद के विशेषज्ञों ने पलाश में अनगिनत गुणों को तलाशा है । आयुर्वेदाचार्य कहते हैं पलाश के पांच अंग - तना , जड़ , फल , फूल और बीज दवाओं के निर्माण में अहम भूमिका का निर्वहन करते हैं । पलाश के पत्तों का उपयोग दोना और पत्तल बनाने के लिए सदियों से होता आ रहा है । अब प्लास्टिक की दुनिया ने इसके उपयोग को लगभग खत्म कर दिया है । पर्यावरण के लिए अत्यंत लाभकारी पलाश के पत्तों के दोना पत्तल आसानी से मिट्टी में घुलकर खाद का काम करते रहे है । वर्तमान में प्रचलन में आ रही प्लास्टिक की ऐसी ही सामग्री हमारे पर्यावरण के लिए अभिशाप बनती दिख रही है । हमारे बुजुर्ग बताते हैं कि आसानी से धरा की मिट्टी में घुल - मिलकर प्राकृतिक खाद बन जाने वाले पलाश के पत्तों की गुणवत्ता धार्मिक आयोजनों में इसी उद्देश्य से की जाती रही है । एक और आर्थिक उद्देश्य भी वनांचल में रहने वाले आदिवासी समूह के लिए आय का साधन बनता रहा है , वे दोना पत्तल का निर्माण कर अपनी रोजी - रोटी की तलाश करते रहे हैं ।

पलाश के नयनाभिराम दृश्य ने अपने श्रृंगार के चलते कवियों को काव्य का विषय बनाने के लिए विवश कर दिया । इसी के वशीभूत किसी कवि ने बड़े ही सुंदर शब्दों में रचा है =

÷ भ्रमर गीत गुंजित सुमन , मलय पवन मकरंद ।
किन्शुक कलि रति काम के , रचती मादक छंद।
भ्रमर प्रत्यंचा पर धरे , जब पलाश के बाण ,
काम विमुग्धा सृष्टि ने , रचे प्रीति के गान । ÷

हमारे शास्त्रों ने पलाश को यज्ञीय वृक्ष कहा है । यह वृक्ष हिंदुओं के पवित्र माने हुए वृक्षों में से एक है । इसका उल्लेख वेदों तक में मिलता है । श्रोत्र सूत्रों में कई यज्ञ-पात्रों को इसी की लकड़ी से बनाने की विधि बताई गई है । हिंदु धर्म में ब्राह्मण पुत्रों के यज्ञोपवीत (जनेऊ संस्कार) संस्कार में ब्राह्मण कुमार (बटुक) को इसी की लकड़ी का दंड ग्रहण करना होता है । मै याद कर रहा हूं उस पारिवारिक परंपरा को जब नवरात्रि पर नवमी तिथि पर हमारे परिवार में कुल देवी को नौ प्रकार की भोजन सामग्री का भोग लगाया जाता है । मुझे याद है हम भाइयों में से कोई भी पलाश के पत्तों को पेड़ों से तोड़कर घर लाने के उपरांत उसे अच्छी तरह धोने के बाद उसका पत्तल तैयार किया जाता था । उसी पत्तल में मां अम्बे को भोग प्रदान कर परिवार के सभी सदस्य पत्तल में ही भोजन स्वरूप प्रसाद ग्रहण किया करते थे । अब बदली हुई परिस्थिति में पत्तल बनाने का नियम कहीं दूर गुम हो गया है । अपनी सुविधानुसार कांसे की थाली में परंपरा पूरी की जा रही है ! शास्त्र बताते हैं कि पलाश के पत्तों पर परोसा गया भोजन मां को वह अनुभूति कराता है जो स्वर्ण पात्र में भोजन पाने की हुआ करती है । हमने या हमारी पीढ़ी ने नारंगी और लाल रंगों के पलाश के फूलों को ही देखा है । इस फूल का एक और प्रकार प्रकृति में विद्यमान है , जो सफेद पलाश के रूप में है । सफेद पलाश बहुत ही दुर्लभ है । कहते है सफेद पलाश के फूलों के दर्शन मात्र से बाधाओं का अंत हो जाता है । यही कारण है कि पलाश को शास्त्रों में देवताओं का कोषाध्यक्ष कहा गया है । इसके पत्ते ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रतिनिधित्व करते हैं !

डॉ. सूर्यकांत मिश्रा
राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)
9425559291.

पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 मंडल बीजापुर में प्रशिक्षण संपन्न

भारत माता की जय घोष के साथ राष्ट्र साधना में समर्पित हों कार्यकर्ता : यशवंत जैन

बीजापुर। पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के तहत भाजपा द्वारा दो दिवसीय मंडल प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन बीजापुर स्थित अटल सदन कार्यालय में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला का उददेश्य कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक रूप से निपुण बनाना और उन्हें राष्ट्र सेवा के प्रति और अधिक समर्पित करना रहा। कार्यक्रम के समापन सत्र में भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन ने भारत माता की जय के उद्घोष के साथ कार्यकर्ताओं को राष्ट्र साधना में समर्पित होने का आह्वान किया। उन्होंने संगठन की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एकता ही संगठन की सबसे बड़ी शक्ति है और इसी के बल पर पार्टी निरंतर आगे बढ़ती है। प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन प्रथम बीजापुर आगमन पर पूर्व मंत्री महेश गागड़ा, जिलाध्यक्ष घासीराम नाग सहित कार्यकर्ताओं ने उनका जोशीला स्वागत किया। साथ ही प्रदेश प्रवक्ता टिकेश्वर जैन का भी जोशीला स्वागत हुआ। प्रदेश प्रवक्ता टिकेश्वर जैन ने कार्यशाला में कार्य पद्धति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी को समय के साथ नवाचार अपनाकर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को नई तकनीकों, प्रभावी संवाद और संगठनात्मक कौशल विकसित करने पर जोर दिया, जिससे पार्टी की विचारधारा अधिक मजबूती से जन-जन तक पहुंच सके। पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने अपने संबोधन में वैचारिक अधिष्ठान 'एकात्म मानव दर्शन' को संगठन की मूल आत्मा बताते हुए इसे संगठन की मजबूती से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नवाचार और एकजुटता के माध्यम से कार्य पद्धति को प्रभावी बनाया जा सकता है। कार्यकर्ताओं को विचारधारा के साथ आधुनिक तरीकों को अपनाकर संगठन को सशक्त बनाने का संदेश दिया। जिला अध्यक्ष घासीराम नाग की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रशिक्षण वर्ग में पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने विभिन्न सत्रों के माध्यम से संगठन को मजबूत बनाने के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर सक्रिय रहने और संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। जिला संगठन प्रभारी दीपेश अरोरा ने बूथ स्तर पर कार्य विस्तार की विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत कर कार्यकर्ताओं में उत्साह और जोश का संचार किया। वहीं पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीनिवास मुदलियार ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि हम सभी के भीतर राष्ट्र प्रथम की भावना होनी चाहिए, तभी संगठन और देश दोनों सशक्त बन सकते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम ने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और समर्पण की भावना का संचार किया। इस मंडल प्रशिक्षण में बीजापुर मंडल अध्यक्ष अशोक राव की मुख्य भूमिका रही। इस प्रशिक्षण में जिला पदाधिकारी वरिष्ठ कार्यकर्ता सहित जनप्रतिनिधि ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

भाजपा स्थापना दिवस के अवसर पर किरन्दुल में संकल्प व जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई

किरंदुल। किरंदुल मंडल के सभी बूथ में मंडल अध्यक्ष विजय सोढ़ी मंडल पदाधिकारी जिला पदाधिकारियों मोर्चा व प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओ और बूथ के मतदाताओ की उपस्थिति में बूथ में स्थापना दिवस मनाया और जनता के बीच भाजपा के संकल्प व जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और उसको विस्तार से बताया ताकि हर मतदाता सरकार की योजना से जुड़ा रहें। सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित के मूल मंत्र के साथ निरंतर आगे बढ़ता भारतीय जनता पार्टी संगठन देश को सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को साकार करते हुए अपना 47वें स्थापना दिवस मना रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओ के समर्पण, परिश्रम एवं राष्ट्रसेवा की भावना से ही संगठन निरंतर सफलता के नए आयाम स्थापित करते हुए विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सामने है 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सब कार्यकर्ता मिलकर राष्ट्रहित, सेवा और विकास के संकल्प को और अधिक सुदृढ़ करते हुए तथा भारत को एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं। आपको बता दें भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई थी। अटल बिहारी वाजपेयी इसके पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष बने और नई दिल्ली में इसका मुख्यालय स्थापित हुआ। अटल बिहारी वाजपेयी प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष बनकर कमान संभाली उसके बाद लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, नानाजी देशमुख, भैरों सिंह शेखावत प्रमुख नेता थे। भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद और 'राष्ट्र प्रथम' का सिद्धांत है।1980 में अपनी स्थापना के बाद, भाजपा भारत की प्रमुख राजनीतिक पार्टी बन गई और 1990 के दशक के बाद से लगातार राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई।

तपती गर्मी में सेवा की ठंडी छांव : स्काउट-गाइड्स ने प्याऊ घर खोलकर राहगीरों को दी राहत

किरंदुल । किरंदुल नगर में सार्वजनिक प्याऊ का शुभारंभ सोमवार किया गया। नगर पालिका परिषद की अध्यक्षा रूबी शैलेंद्र सिंह ने फीता काटकर इसका विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि एवं भूतपूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी शशि भूषण महापात्र की उपस्थिति रहीं। भीषण गर्मी के बीच भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, छत्तीसगढ़ इकाई एवं डीएवी पब्लिक स्कूल किरंदुल के छात्र-छात्राओं ने समाज सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। आम नागरिकों और राहगीरों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से लगाए गए इस प्याऊ में ठंडा एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया गया,जिससे लोगों को तेज गर्मी में बड़ी राहत मिली। प्याऊ घर एवं आवश्यक सामग्री की व्यवस्था नगर पालिका के सहयोग से हुआ। विद्यालय प्राचार्य एस के श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में स्काउट-गाइड्स के छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ सेवा कार्य में भाग लिया।स्कूल परिसर के बाहर लगाए गए प्याऊ घर में मिट्टी के घड़ों के माध्यम से राहगीरों को पानी पिलाया गया, जिसे लोगों ने खूब सराहा। रेंजर लीडर तृप्ति प्रसाद, स्काउट कैप्टन नारायण प्रसाद सहित कब, बुलबुल, स्काउट एवं गाइड के बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल को मानवता, सेवा भावना और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रेरणादायक उदाहरण बताया।

विकास के नाम पर लूट : बीजापुर में भाजपा नेताओं का रेत खदानों पर अवैध कब्जे : विक्रम मंडावी

बीजापुर । बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने सोमवार को जिला मुख्यालय बीजापुर में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली भाजपा की डबल इंजन सरकार के सत्ता में आने के बाद से बीजापुर जिले में खनिज संसाधनों, जल, जंगल और जमीन की व्यवस्थित लूट शुरू हो गई है।

विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता में कहा, दशकों तक नक्सलवाद ने बस्तर के आदिवासियों को विकास से वंचित रखा। अब जब नक्सल समस्या खत्म हो गई है, तो 'विकास' के नाम पर भाजपा नेताओं ने आदिवासी क्षेत्र की प्राकृतिक संपदा को निशाना बनाते हुए ग्रामीणों को डरा-धमकाकर भाजपा नेताओं के संरक्षण में उन पर कब्जा कर लिया है। गौण खनिज रेत का अवैध उत्खनन, भंडारण और अंतरराज्यीय परिवहन बीजापुर जिले में खुलेआम चल रहा है। विधायक विक्रम मंडावी ने आगे कहा कि भोपालपटनम ब्लॉक के तारलागुड़ा, भद्राकाली, अटुकपल्ली, चंदुर, तिमेड़ और भैरमगढ़ ब्लॉक के मिंगाचल तथा इंद्रावती नदी किनारे की विभिन्न पंचायतों के ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों से चर्चा के बाद ये तथ्य सामने आए हैं कि रेत के अवैध कारोबार में भाजपा के नेता और ठेकेदार सक्रिय हैं। उन्होंने अपने प्रेस वार्ता में आगे कहा कि बीजापुर का कथित रेत ठेकेदार और भाजपा नेता बी. गौतम राव तथा भाजपा नेता टी. गोवर्धन के साथ मिलकर तिमेड रेत खदान पर कब्जा जमाए हुए है। बीजापुर के भाजपा नेता गोपाल सिंह पवार, भैरमगढ़ भाजपा मंडल अध्यक्ष चित्रा तेलम और भाजपा कार्यकर्ता विज्जा तेलम ने मिंगाचल रेत खदान पर कब्जा कर रखा है। इन लोगों ने रेत बिक्री की राशि, जो पंचायत के खाते में जमा होनी थी, उसे गोपाल सिंह पवार ने अपने खाते में ट्रांसफर करा लिया है।

इसी प्रकार तारलागुड़ा के रेत खदान पर बस्तर सांसद के करीबी और वरिष्ठ भाजपा नेता अभिषेक ठाकुर ने कब्जा कर रखा है। ये सभी भाजपा नेता अपनी राजनीतिक पहुंच का इस्तेमाल कर ग्राम पंचायतों पर दबाव डालते हुए, बिना किसी ग्राम सभा की सहमति और उचित कानूनी प्रक्रिया के रेत का अवैध उत्खनन कर रहे है। साथ ही वे स्थानीय लोगों को बढ़ी हुई कीमत पर रेत बेच रहे है और सीमावर्ती राज्यों तेलंगाना व महाराष्ट्र में अवैध परिवहन कर रहे हैं, जिससे सरकार और पंचायतों को मिलने वाला राजस्व चोरी हो रहा है।

विधायक ने प्रेस वार्ता के माध्यम से सवाल किया : क्या भाजपा नेताओं द्वारा बेशकीमती रेत खदानों पर कब्जा करने वाले इन भाजपा नेताओं पर कानूनी कार्यवाही होगी या नहीं? क्या मिंगाचल रेत खदान में पंचायत को मिलने वाली राशि को डरा-धमकाकर अपने खाते में ट्रांसफर कराने वाले पूर्व मंत्री के करीबी गोपाल सिंह पवार, चित्रा तेलम और विज्जा तेलम के खिलाफ जांच कार्रवाई होगी या नहीं?विधायक विक्रम मंडावी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, जिला प्रशासन और खनिज विभाग से मांग की कि पूरे बीजापुर जिले में रेत के अवैध उत्खनन, भंडारण और परिवहन पर तुरंत रोक लगाई जाए, पूरे मामले की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी भाजपा नेताओं, ठेकेदारों तथा संलिप्त अधिकारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार और प्रशासन रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन पर तुरंत संज्ञान नहीं लेता, तो कांग्रेस पार्टी जनता के साथ मिलकर जिले में उग्र आंदोलन करने को मजबूर होगी। इस पूरे मामले की जांच की मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने कलेक्टर बीजापुर को ज्ञापन सौंपा है। प्रेस वार्ता के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालू राठौर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम, बसंत राव ताटी, नीना रावतिया उद्दे, प्रवीण डोंगरे ज्योति कुमार, सोनू पोटाम, जगबंधु मांझी, पुरुषोत्तम खत्री, राजेश जैन, शेख रजिया, पुरुषोत्तम सल्लूर, दिनेश पुजारी, एजाज सिद्दीकी, वीरेंद्र सिंह ठाकुर, बाबू लाल राठौ, लक्ष्मण कड़ती, बलराम कोरसा और कामेश मोरला सहित बड़ी संख्या कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आत्मसमर्पण से पुनर्वास तक पवन कुमार ने हिंसा का रास्ता छोड़ जीवन की नई शुरुआत की

कोंडागांव। कोंडागांव जिले के विकासखण्ड फरसगांव के दूरस्थ ग्राम पंचायत चिंगनार, जो मुख्यालय से लगभग 45 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, कभी इस क्षेत्र में माओवाद के प्रभाव के कारण भय और असुरक्षा का माहौल था। अब इन क्षेत्रों में राज्य शासन की पुनर्वास नीति के तहत शांति और विकास स्थापित हो रहा है। इसी गांव में रहने वाले पवन कुमार को पुनर्वास नीति के तहत पक्का आवास मिलने से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। पवन कुमार पूर्व में माओवादी संगठन से जुड़े हुए थे। उस दौर में उनका जीवन असुरक्षा और कठिनाइयों से भरा हुआ था। उनका परिवार जंगल किनारे एक झोपड़ी और जर्जर कच्चे मकान में रहने को मजबूर था, जहां न तो पर्याप्त सुविधाएं थीं और न ही सुरक्षित भविष्य की कोई उम्मीद। समय के साथ उन्होंने यह महसूस किया कि हिंसा का मार्ग केवल विनाश की ओर ले जाता है। शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रेरित होकर उन्होंने साहसिक निर्णय लेते हुए माओवादी संगठन से नाता तोड़ लिया और समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। यह निर्णय उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। आत्मसमर्पण के बाद जिला प्रशासन द्वारा विशेष परियोजना आवास (आत्मसमर्पित परिवार) प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में उन्हें आवास स्वीकृत किया गया। शासन की सहायता से उन्हें चरणबद्ध तरीके से आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया, जिसमें प्रथम किश्त के रूप में 40 हजार रुपये, द्वितीय किश्त में 55 हजार रुपये तथा अंतिम किश्त के रूप में 25 हजार रुपये की राशि दी गई। इसके साथ ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत 90 दिनों की मजदूरी भी प्रदान की गई। इन सभी सहायता राशि और योजनाओं के समुचित उपयोग से पवन कुमार ने निर्धारित समय में अपना पक्का घर पूर्ण कर लिया। यह घर केवल एक आशियाना नहीं, बल्कि उनके नए जीवन की मजबूत नींव है। अब उनका परिवार सुरक्षित वातावरण में रह रहा है।

मसोरा जलाशय बनेगा पर्यटन का नया केंद्र

कोण्डागांव। जिले के मसोरा जलाशय में इन दिनों प्रकृति और पक्षी प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। यहां बड़ी संख्या में लेसर व्हिस्लिंग डक, जिन्हें स्थानीय तौर पर सिटी बजाने वाली बत्तख या छोटी सिल्ही कहा जाता है, को देखा जा रहा है। भारतीय उपमहाद्वीप और दक्षिण-पूर्व एशिया में पाई जाने वाली यह छोटी भूरे रंग की बत्तख इस जलाशय की सुंदरता को और बढ़ा रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रम-30 से मात्र 900 मीटर दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत मसोरा के जामकोट जलाशय को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है। होम स्टे नीति के तहत ग्राम पंचायत मसोरा का चयन किया गया है, जिससे क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार हो सके। पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कोंडागांव विधायक लता उसेंडी एवं कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के संयुक्त प्रयासों से यहां 'वन भोज' कार्यक्रम की शुरुआत की जा रही है। इस पहल के तहत जिला प्रशासन, ग्रामीणों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं तथा वन, खनिज एवं प्रबंधन समिति के सहयोग से जलाशय के आसपास विभिन्न सुविधाएं विकसित की जाएगी। जिससे यहाँ आने वाले पर्यटक प्राकृतिक सुंदरता के बीच स्वादिष्ट स्थानीय भोजन का आनंद ले सकेंगे।

प्रेशर हार्न लगाकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों पर थाना केशकाल पुलिस द्वारा कार्यवाही की गई

कोण्डागांव। यातायात नियमों का पालन न करते हुए प्रेशर हार्न लगाकर खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वाले वाहन चालकों पर कार्यवाही करने निर्देशन प्राप्त होने पर थाना केशकाल पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने वाले एवं प्रेशर हार्न लगाकर खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वाले चालकों पर कार्यवाही कर न्यायालय केशकाल में पेश किया गया कुल 12 प्रकरण प्रत्येक वाहन चालकों को 7500 रुपये कुल जुमला 90,000 रु. से दण्डित किया गया एवं घाट जाम होने की स्थिति में ओवरटेक न करने के लिए समझाइश दिया गया है। यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहन चालको पर कार्यवाही जारी रहेगी। उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही में उपनिरीक्षक गुलाब टंडन, सउनि. अनिता मेश्राम, सुरेश मरकाम, प्रआर, ईश्वर नेताम, आर. अरुण यादव, सदा सिंह नेताम सुकेत राय का अहम भूमिका रही।

कायस्थ समाज कोण्डागांव ने कराया राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता, 65 खिलाड़ियों ने दिखाया दम

कोण्डागांव। जिले में पहली बार कायस्थ समाज कोण्डागांव द्वारा राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन सेंट जेवियर्स स्कूल में किया गया। प्रतियोगिता में राज्यभर से आए 65 से अधिक खिलाड़ियों के बीच शह और मात के रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। प्रतियोगिता का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल और उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी ने किया। खिलाड़ियों ने दिमागी खेल का शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबलों को रोचक बना दिया। भिलाई से आए खिलाड़ी पंकज सिंह ने कहा कि बस्तर अब बदल रहा है और यहां प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। रायपुर के हर्ष चौहान ने कहा कि यहां के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहचान बना सकते हैं। कायस्थ समाज के अध्यक्ष प्रदीप श्रीवास्तव ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य बस्तर के नक्सलवाद मुक्त होने का सकारात्मक संदेश देना और क्षेत्र की प्रतिभाओं को मंच देना है। समापन समारोह जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में उत्तम श्रीवास्तव उपाध्यक्ष, इना श्रीवास्तव जिला अध्यक्ष महिला, लोकेश श्रीवास्तव, अनूप श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, आयुष श्रीवास्तव, संजय सिन्हा, अर्पिता श्रीवास्तव उपाध्यक्ष महिला, अजय श्रीवास्तव जिला कोषाध्यक्ष, आरपी श्रीवास्तव, आरएस श्रीवास्तव, संदीप श्रीवास्तव सहित जगदलपुर और भानुप्रतापपुर से आए समाज के पदाधिकारियों का सहयोग रहा। शतरंज प्रतियोगिता ने बस्तर की बदलती तस्वीर और प्रतिभाओं की ताकत को नई पहचान दी।

शहीद मजदूरों को नम आंखों से दी गई श्रद्धांजलि

किरन्दुल। लौहनगरी किरन्दुल में संयुक्त खदान मजदूर संघ एवं सीपीआई द्वारा शहीद मजदूरों के लिए श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। बता दें 05 अप्रैल 1978 में अपने हक की लड़ाई लड़ते हुए गोली कांड में 11 मजदूर एवं एक पुलिसकर्मी शहीद हुए थे। जिन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान 2 मिनट का मौन धारण कर शहीदों के लिए प्रार्थना की गई। श्रद्धांजलि से पूर्व इंद्रजीत सिंह भवन से भंडारा कैम्प स्थित शहीद स्मारक तक बाइक रैली निकाली गई।

कार्यक्रम में एसकेएमएस जॉइंट सेक्रेटरी अजय सिंह ने बताया कि प्रत्येक वर्ष इस दिन विशाल रैली निकालकर शहीद मजदूरों का श्रद्धांजलि दिया जाता हैं। मौके पर मधुकर सीताप राव, टी रेड्डी, पी किरण, राजनाथ, ईश्वर राव, अनिल राजी मोल, लीना सोनी एवम अन्य उपस्थित रहे।

जनादेश से विश्वासघात : निर्दलीय से भाजपा में गए बिहारी शोरी पर कांग्रेस ने लगाया आरोप

केशकाल। नगर पंचायत केशकाल की जनता द्वारा निर्दलीय रूप में दिए गए जनादेश के साथ विश्वासघात का गंभीर मामला सामने आया है। पीसीसी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष अमीन मेमन ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बिहारी शोरी ने सत्ता का लाभ लेने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी में प्रवेश कर केशकाल की जनता के विश्वास को ठेस पहुंचाई है। केशकाल की जनता ने कांग्रेस और भाजपा दोनों राष्ट्रीय दलों को दरकिनार करते हुए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में बिहारी शोरी को अध्यक्ष पद पर आसीन किया था। यह जनादेश स्थानीय नेतृत्व और स्वतंत्र कार्यशैली पर विश्वास का प्रतीक था, किंतु अब भाजपा में उनका प्रवेश इस विश्वास के साथ सीधा धोखा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नगर पंचायत उपाध्यक्ष चुनाव के दौरान ही निर्दलीय खेमे के दो पार्षदों एवं अध्यक्ष की भाजपा के साथ सांठगांठ स्पष्ट रूप से सामने आ चुकी थी, जब उन्होंने भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान किया। अब औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल होना उसी प्रक्रिया का अगला चरण है। मेमन ने कहा कि एक ओर जहां उनका एक वर्ष का कार्यकाल निराशा और हताशा से भरा रहा, वहीं दूसरी ओर सत्ता के मोह में लिया गया यह निर्णय जनभावनाओं के विपरीत है। उन्होंने स्मरण कराते हुए कहा कि बस स्टैंड में आयोजित सभा के दौरान उन्होंने 'शेर और बंदर' की जो कहानी सुनाई थी, वह चरितार्थ होती प्रतीत हो रही है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि भविष्य में नगर पंचायत के अध्यक्ष एवं पार्षदों का चयन करते समय अत्यंत सावधानी और समझदारी से निर्णय लें, क्योंकि चुने गए प्रतिनिधि पांच वर्षों तक जनता की आवश्यकताओं और समस्याओं से सीधे जुड़े रहते हैं।

संक्षिप्त समाचार

उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों के इम्पैनलमेंट के लिए 'रूचि की अभिव्यक्ति' आमंत्रित

बिलासपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना के अंतर्गत राज्य में संचालित उत्कृष्ट आवासीय शिक्षण संस्थानों के इम्पैनलमेंट हेतु "रूचि की अभिव्यक्ति" 23 अप्रैल 2026, शाम 5 बजे तक आमंत्रित की गई है। इच्छुक संस्थाओं को निर्धारित प्रपत्र में आवेदन सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कार्यालय बिलासपुर में जमा करना होगा। योजना के दिशा-निर्देश एवं मापदंड विभाग की आधिकारिक वेबसाइट 222.ह्वद्धह्वद्वद्व.ष्द्द.द्दश्1.द्ध पर उपलब्ध हैं। सहायक आयुक्त संजय चंदेल ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के ग्रामीण प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना, उन्हें बेहतर करियर के अवसर उपलब्ध कराना तथा प्रतिस्पर्धी वातावरण में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। योजना के तहत चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक राज्य के उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा की सुविधा दी जाएगी। साथ ही चयनित संस्थानों को निर्धारित मानदेय के अनुसार शुल्क की प्रतिपूर्ति भी की जाएगी।

डीएव्ही मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में प्रवेश के लिए आवेदन 13 अप्रैल तक

बिलासपुर। जिले में संचालित 4 डीएव्ही मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल देवरीखुर्द, गोढ़ी, वेदपरसदा, गोबरीपाट में केजी 1 में शिक्षा के अधिकार के तहत एवं शासन कोटा की रिक्त सीट पर प्रवेश दिया जा रहा है। आरटीई के तहत प्रवेश के लिए संबंधित नोडल अधिकारी के समक्ष एवं शासन कोटा अंतर्गत प्रवेश हेतु आवेदन पुराना कम्पोजिट बिल्डिंग बिलासपुर में स्थित कार्यालय समग्र शिक्षा, कक्ष क्रमांक 21 में 13 अप्रैल 2026 शाम 5 बजे तक जमा किये जा सकते है। शिक्षा के अधिकार के तहत गरीबी रेखा तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्रा पात्र होंगे एवं शासन कोटा में गरीबी रेखा, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, निःशक्तजन, निर्धन वर्ग, परित्यक्ता, मातृ-पितृहीन के छात्र-छात्रा आवेदन के लिए पात्र हैं।

तार मिस्त्री परीक्षा के लिए आवेदन 30 अप्रैल तक

बिलासपुर। संभागीय अनुज्ञापन समिति (विद्युत) बिलासपुर द्वारा तारमिस्त्री परीक्षा जुलाई माह में आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए बिलासपुर, मुंगेली, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, कोरबा, जांजगीर-चांपा एवं सक्ती जिले के इच्छुक आवेदनकर्ता निःशुल्क फॉर्म प्राप्त करने एवं परीक्षा से संबंधित जानकारी के लिए यू.डी.एम. हॉस्पिटल बिल्डिंग, होमगार्ड कैम्पस के पास स्थित कार्यालय कार्यपालन अभियंता (विद्युत सुरक्षा) एवं संभागीय विद्युत निरीक्षक के कार्यालय से प्राप्त कर सकते है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026 तक है।

रेलवे ट्रैक पार करना, बैठना, घूमना व सेल्फी लेना है जानलेवा, कृपया अपनी जान जोखिम में न डालें

बिलासपुर। मंडल रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों एवं आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रेलवे ट्रैक पर होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को सुरक्षित व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना एवं अनावश्यक जोखिम से बचाना है। रेलवे द्वारा आम जनता से अपील की जा रही है कि वे रेलवे पटरी को पार करने, उस पर बैठने, घूमने अथवा सेल्फी लेने जैसी असुरक्षित गतिविधियों से दूर रहें। यह न केवल अत्यंत खतरनाक है, बल्कि कानूनन दंडनीय अपराध भी है। ट्रेनों की तेज गति और उनकी अचानक उपस्थिति के कारण इस प्रकार की लापरवाही गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है। यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे स्टेशनों पर फुट ओवरब्रिज, लिफ्ट एवं एस्केलेटर जैसी सुरक्षित व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही आम लोगों के सुरक्षित आवागमन हेतु ओवरब्रिज/अंडरब्रिज की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है? कृपया ट्रैक पार करने के लिए केवल इन निर्धारित सुरक्षित मार्गों का ही उपयोग करें। रेलवे द्वारा इस दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं साथ ही सभी स्टेशनों में अनाउंसमेंट के जरिए रेलवे ट्रैक पार न करने के लिए सुरक्षा संदेश, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर जागरूकता संदेशों का भी प्रसार नियमित रूप से किया जा रहा है? रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) एवं संरक्षा विभाग के कर्मचारियों द्वारा सतर्कता अभियान भी चलाया जा रहा है हाल के दिनों में कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं में लोगों द्वारा लापरवाहीपूर्वक ट्रैक पार करने या पटरी पर बैठने के कारण जानमाल की हानि हुई है। इन घटनाओं से सीख लेते हुए यह आवश्यक है कि हम सभी मिलकर सुरक्षा नियमों का पालन करें।

साप्ताहिक टीएल बैठक में कलेक्टर संजय अग्रवाल के सख्त निर्देश

कलेक्टर का आदेश निजी स्कूलों में मान्यता प्रदर्शित करना अनिवार्य

- हर शनिवार लगेगा तहसील स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर
- 20-30 साल की जरूरतों पर बनेगी कार्ययोजना

बिलासपुर। बिलासपुर में आयोजित साप्ताहिक टीएल बैठक में कलेक्टर संजय अग्रवाल ने प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, दीर्घकालिक योजना और जनसुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। निजी स्कूलों में मान्यता प्रमाण पत्र प्रदर्शित करने, साप्ताहिक जनसमस्या निवारण शिविर शुरू करने और जल संरक्षण सहित विभिन्न विकास कार्यों को गति देने पर विशेष जोर दिया गया।जिला कार्यालय के मंथन सभा कक्ष में आयोजित साप्ताहिक टीएल बैठक में कलेक्टर संजय अग्रवाल ने अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी निजी स्कूलों को अपने परिसर में मान्यता संबंधी प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी स्पष्ट रूप से लिखने को कहा गया कि स्कूल सीबीएसई या छत्तीसगढ़ बोर्ड से मान्यता प्राप्त है, ताकि विद्यार्थियों और अभिभावकों को सही जानकारी मिल सके और किसी प्रकार की धोखाधड़ी की आशंका न रहे। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई कर प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए हर सप्ताह शनिवार को तहसील स्तर पर जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में वे स्वयं उपस्थित रहेंगे। यह अभियान इसी माह से प्रारंभ होकर लगभग दो माह तक संचालित किया जाएगा। अधिकारियों को इसकी समुचित तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में कलेक्टर ने इस वर्ष के बजट में प्रावधानित कार्यों के लिए डीपीआर (विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन) तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव तैयार करते समय स्थल का निरीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए और केवल अल्पकालिक नहीं, बल्कि आगामी 20 से 30 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई जाएं। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि किसी भी सरकारी योजना के तहत भवन या आवास निर्माण से पहले वहां तक पहुंचने के लिए सड़क सुविधा सुनिश्चित की जाए, अन्यथा निर्माण की उपयोगिता प्रभावित होती है। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए, कलेक्टर ने सरकारी निर्माण एजेंसियों को सूखे तालाबों से मिट्टी एवं मुरूम उठाने के निर्देश दिए, ताकि तालाबों की गहराई बढ़े और जल संचयन में मदद मिले। साथ ही उन्होंने अनिवार्यतः रूप से अन्य स्थानों से मिट्टी उत्खनन पर सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए। ग्रामीण क्षेत्रों में सोख्ता गड्ढे बनाकर जल रिचार्ज करने, कच्चे नाला बांध बनाकर वर्षा जल को रोकने के उपाय अपनाने पर भी बल दिया गया। इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना और जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाकर निर्धारित लक्ष्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

जनसहभागिता से शहरभर में सीसीटीवी नेटवर्क का होगा विस्तार, सुरक्षा व्यवस्था होगी हाईटेक

- कलेक्टर-एसएसपी की अध्यक्षता में त्रिनेत्र सेवा समिति की बैठक में लिए गए अहम निर्णय

बिलासपुर। शहर में अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से त्रिनेत्र सेवा समिति की अहम बैठक इंटीग्रेटेड कंट्रोल कमाण्ड सेंटर, तारबाहर में आयोजित की गई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि शहर में अधिक से अधिक स्थानों पर जनसहभागिता के माध्यम से सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिससे अपराधों पर त्वरित नियंत्रण और अपराधियों की शीघ्र पहचान सुनिश्चित की जा सके। साथ ही महिलाओं की सुरक्षा, सुगम यातायात व्यवस्था और नशे में वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई को भी प्राथमिकता दी जाएगी। समिति के संरचनात्मक विस्तार के तहत सांसद एवं विधायकों के साथ आयुक्त बिलासपुर संभाग और पुलिस महानिरीक्षक, बिलासपुर रेंज को पदेन मुख्य संरक्षक बनाया जाएगा। वहीं कलेक्टर, एसएसपी, नगर निगम आयुक्त, जिला पंचायत सीईओ, रेलवे, एसईसीएल, एनटीपीसी, अपोलो अस्पताल और रेडक्रॉस के वरिष्ठ अधिकारियों को पदेन संरक्षक बनाए जाने का निर्णय लिया गया। तकनीकी समिति में साइबर सेल के अधिकारियों के साथ स्मार्ट सिटी के प्रतिनिधियों एवं विशेषज्ञों को शामिल किया गया है। प्रबंध कार्यकारिणी में श्री रामावतार अग्रवाल को अध्यक्ष, श्री नवदीप अरोरा को कार्यकारी अध्यक्ष, श्री सतीश शाह को सचिव, श्री मनीष सखूजा को कोषाध्यक्ष तथा श्री ललित अग्रवाल को सह-कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

- स्वास्थ्य के प्रति सजगता और संतुलित जीवनशैली अपनाने का दिया संदेश

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के चिकित्सा विभाग द्वारा आज विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विभिन्न चिकित्सा इकाइयों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रत्येक वर्ष 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना के उपलक्ष्य में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। आज के बदलते परिवेश में असंतुलित खानपान, बढ़ते प्रदूषण, व्यस्त दिनचर्या एवं मानसिक तनाव के कारण हृदय रोग, मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में यह दिवस रेलवे कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का महत्वपूर्ण संदेश देता है। इस अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के केन्द्रीय चिकित्सालय बिलासपुर, मण्डल चिकित्सालय रायपुर, उपमंडल चिकित्सालय चरोदा (भिलाई) एवं पॉलीक्लिनिक मोतीबाग (नागपुर) सहित विभिन्न चिकित्सा इकाइयों में स्वास्थ्य के लिए एकजुट हों, विज्ञान के साथ खड़े रहें थीम पर जागरूकता अभियान, स्वच्छता अभियान एवं स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व पर प्रकाश डाला गया, विशेषकर फल, हरी सब्जियाँ, अनाज एवं प्रोटीन युक्त भोजन को दैनिक जीवन में शामिल करने की सलाह दी गई। साथ ही, प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट व्यायाम या शारीरिक गतिविधि को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

तिरुपति-रक्सौल-तिरुपति के मध्य सात फेरे के लिए समर स्पेशल ट्रेन की सुविधा

बिलासपुर। आगामी समर मौसम के दौरान यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय रेल द्वारा अनेक समर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन करने की योजना बनाई गई है, जिसमे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से भी समर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा इसी कड़ी में रेलवे द्वारा समर के अवसर पर तिरुपति-रक्सौल मार्ग की गाड़ियों में समर मौसम होने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए तिरुपति एवं रक्सौल के मध्य सात फेरे के लिये समर स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है । यह स्पेशल गाड़ी तिरुपति से गाड़ी संख्या 07051 नम्बर के साथ प्रत्येक सोमवार को दिनांक 13, 20 और 27 अप्रैल, 04, 11, 18 और 25 मई, 2026 को रक्सौल के लिए रवाना होगी तथा रक्सौल से गाड़ी संख्या 07052 नम्बर के साथ प्रत्येक गुरुवार को दिनांक 16, 23 और 30 अप्रैल, 07, 14, 21 और 28 मई, 2026 को तिरुपति के लिए रवाना होगी । इस समर स्पेशल ट्रेन में 03 एसी टू , 05 एसी थ्री, 10 स्लीपर, 06 सामान्य कुल 24 कोच रहेंगे । इस गाड़ी का दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में ठहराव की समय सारणी इस प्रकार है :- गाड़ी संख्या 07051 नंबर तिरुपति से 08.15 बजे रवाना होकर दूसरे दिन गोंदिया 09.10/09.25 बजे, दुर्ग 11.50/11.55 बजे, रायपुर 12.30/12.35 बजे, बिलासपुर 14.25/14.40 बजे, झारसुगुड़ा 18.05/18.07 बजे, तीसरे दिन रक्सौल 17.00 बजे पहुंचेगी । इसी प्रकार विपरीत दिशा में भी गाड़ी संख्या 07052 नम्बर रक्सौल से 03.15 बजे रवाना होकर दूसरे दिन झारसुगुड़ा 01.53/01.55 बजे, बिलासपुर 04.40/04.50 बजे, रायपुर 06.20/06.25 बजे, दुर्ग 07.15/07.20 बजे, गोंदिया 09.20/09.30 बजे, तीसरे दिन तिरुपति 09.30 बजे पहुंचेगी ।

हमर स्मार्ट स्कूल' बना बदलाव की मिसाल, डिजिटल पहल से निखर रही प्रतिभाएं,सपनों को मिल रही नई उड़ान

बिलासपुर। जिले के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा की तस्वीर तेजी से बदल रही है। 'हमर स्मार्ट स्कूल' पहल ने गांव के बच्चों तक आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाकर एक नई मिसाल कायम की है। डिजिटल पहल के जरिए अब बच्चों की प्रतिभाएं निखर रही हैं और उनके सपनों को नई उड़ान मिल रही है। जिला प्रशासन द्वारा शुरू किए गए इस नवाचार के अंतर्गत स्कूली बच्चों को स्मार्ट क्लास के माध्यम से पढ़ाई कराई जा रही है। डिजिटल बोर्ड, वीडियो एनिमेशन और ऑडियो-वीडियो आधारित कंटेंट के उपयोग से कठिन विषय भी अब बच्चों को सरल और रोचक लगने लगे हैं। इससे न केवल पढ़ाई में रुचि बढ़ी है, बल्कि बच्चों का आत्मविश्वास भी मजबूत हुआ है।औद्योगिक प्रतिष्ठानों, बैंकों एवं अन्य संस्थानों के सीएसआर मद तथा जनसहयोग से जिले के 500 विद्यालयों में स्मार्ट टीवी स्थापित किए जा चुके हैं। एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, केनरा बैंक, रेल कोच फैक्ट्री सहित विभिन्न संस्थानों और दानदाताओं का योगदान इस पहल को सशक्त बना रहा है। यह जनसहभागिता शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक बनकर उभरी है। जिन विद्यालयों का बोर्ड परीक्षा परिणाम 60 प्रतिशत से कम रहा है, उन्हें प्राथमिकता देते हुए वहां स्मार्ट टीवी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ई-विद्या पोर्टल और अन्य डिजिटल माध्यमों के जरिए छात्र बेहतर तैयारी कर पा रहे हैं, जिससे उनके परीक्षा परिणाम में सुधार की उम्मीद भी बढ़ी है। सत्र 2024-25 के परीक्षा परिणाम इस दिशा में सकारात्मक संकेत देते हैं, जहां कक्षा 5वीं का परिणाम 88.96 प्रतिशत, कक्षा 8वीं का 78.79 प्रतिशत, कक्षा 10वीं का 75.60 प्रतिशत एवं कक्षा 12वीं का 82.87 प्रतिशत दर्ज किया गया है। शिक्षकों की कमी जैसी चुनौतियों के बावजूद स्मार्ट क्लास ने पढ़ाई को अधिक प्रभावी बनाया है। सीमित संसाधनों में भी अब कम समय में विषयवस्तु को स्पष्ट रूप से समझाया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को लाभ मिल रहा है। संपर्क फाउंडेशन द्वारा स्मार्ट टीवी के साथ निःशुल्क कनेक्टिव डिवाइस उपलब्ध कराए जा रहे हैं, साथ ही शिक्षकों को इनके उपयोग के लिए प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। यह पहल शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल रही है।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनीं गई लोगों की समस्याएं अधिकारियों को त्वरित निराकरण करने के निर्देश.....

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देश पर जनदर्शन में नगर निगम कमिश्नर श्री प्रकाश कुमार सर्वे और एडीएम श्री शिव कुमार बनर्जी ने ग्रामीणों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में तखतपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत विजयपुर के ग्रामीणों ने प्राथमिक शाला विजयपुर के प्रधान अध्यापक भरत ध्रुव को पद से हटाने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रधान अध्यापक द्वारा शराब का सेवन कर शाला में दुर्व्यवहार एवं विद्यार्थियों से कोताही बरती जा रही है। पूर्व में भी प्रधान अध्यापक की शिकायत की गई परंतु आज दिनांक तक किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की गई है। डीईओ को मामले की जांच कर शीघ्र ही कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। रतनपुर की अंकिता कमलसेन एवं सिंघरी की प्रतिभा कोशले ने स्वयं का रोजगार स्थापित करने शासन की योजना अंतर्गत लोन दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि वह एक शिक्षित महिला है और सिलाई कार्य जानती है। उन्हें सिलाई मशीन एवं अन्य सामग्री खरीदने रूपयों की आवश्यकता है। लीड बैंक मैनेजर को आवश्यक कार्रवाई करने कहा। मेण्ड्रा के सूरज सूर्यवंशी सहित ग्रामवासियों ने ग्राम मेण्ड्रा के वार्ड 4 एवं 5 में हो रही पेयजल की समस्या से अवगत कराया। पीएचई विभाग को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।बेलतरा तहसील के बाम्हू निवासी परसराम ने जनदर्शन में आवेदन देकर बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रथम किस्त की राशि प्राप्त हो चुकी है, किन्तु दूसरे एवं तीसरे किस्त की राशि आज दिनांक तक नहीं मिलने के कारण उनके आवास का कार्य अधूरा है। उन्होंने शेष बची किश्त की राशि दिलाने की मांग की है। प्रकरण को बिल्हा के जनपद पंचायत सीईओ को भेजते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए है। ग्राम ऊनी की किरण वैष्णव ने बताया कि कुंआ की सफाई करने के दौरान उनके पति एवं पुत्र विद्युत तार की चपेट में आ गए जिससे उनकी मृत्यु हो गई। श्रीमती किरण ने इस संबंध में उचित मुआवजा राशि दिलाने गुहार लगाई गई। विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने कहा है। सिंहरी के दिनेश कुमार ने गांव के दूजराम के द्वारा किये गये अवैध कब्जे की शिकायत कलेक्टर से की है। उन्होंने बताया कि दूजराम द्वारा पक्का मकान बनाकर रास्ता अवरूद्ध कर बंद कर दिया गया है। रास्ता बाधित होने के कारण आवाजाही में उन्हें एवं ग्रामीणों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। मामले को संबंधित अधिकारी को सौंपते हुए कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान संरक्षा क्षमता और समयबद्धता में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग वित्तीय वर्ष 2025-26 में संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आधुनिक सिग्नलिंग प्रणालियों के व्यापक विस्तार के माध्यम से रेल परिचालन को और अधिक संरक्षित, तीव्र एवं समयबद्ध बनाने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। रेलवे संरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से परंपरागत सिग्नलिंग प्रणाली के स्थान पर अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) एवं ऑटोमेटिक सिग्नलिंग जैसी उन्नत तकनीकों का तीव्र गति से विस्तार किया गया है, जिससे मानवीय त्रुटियों की संभावना न्यूनतम हुई है तथा ट्रेनों का संचालन अधिक सुरक्षित एवं विश्वसनीय बना है। इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (नई स्थापना) 11 स्टेशन वर्ष 2025-26 में 11 स्टेशनों पर अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली स्थापित की गई, जिससे जटिल यार्ड संरचनाओं में भी सुरक्षित एवं निर्बाध ट्रेन संचालन सुनिश्चित हुआ। प्रमुख स्टेशन हैं गोंदिया (506 रूट), उरगा (46 रूट), किरोड़ीमल नगर (223 रूट), कोथारी रोड (41 रूट), रायगढ़ (286 रूट), सारागांव देवरी (117 रूट), चक्रधर नगर (174 रूट), कुरूद (32 रूट), बारद्वार (198 रूट), पेंड्रा रोड (226 रूट) एवं बालपुर रोड (26 रूट)। इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (संशोधन) 25 स्टेशन 25 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में उन्नयन/संशोधन कार्य कर संरक्षा मानकों को और अधिक सुदृढ़ किया गया।

वास्तु दोष से राहत के लिए किस धातु का घर में रखें हाथी

वास्तु शास्त्र में हाथी को सौभाग्य, सुरक्षा और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। अगर घर में वास्तु दोष के कारण परेशानियां, आर्थिक रुकावटें या कलह बढ़ रही है, तो सही धातु का हाथी रखना एक प्रभावी उपाय हो सकता है। हाथी की सूंढ़, दिशा और धातु का चुनाव सही होने पर वास्तु दोष कम होता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। आइए जानते हैं कि वास्तु के अनुसार किस धातु का हाथी रखना चाहिए और इसके नियम क्या हैं।

वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, चांदी, पीतल या संगरमरमर का हाथी घर के लिए सबसे शुभ माने जाते हैं।

वास्तु में हाथी का महत्व

हाथी वास्तु शास्त्र में गज के रूप में जाना जाता है, जो लक्ष्मी और गणेश दोनों से जुड़ा है। घर में हाथी रखने से धन, सुख, सम्मान और सुरक्षा बढ़ती है। यह नकारात्मक ऊर्जा को रोकता है और परिवार में स्थिरता लाता है। लेकिन हाथी को गलत धातु या गलत दिशा में रखने से उल्टा प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए सही चुनाव बहुत जरूरी है।

संगमरमर (मार्बल) का हाथी

यह शुद्धता और स्थिरता का प्रतीक है। यदि बजट कम हो तो संगमरमर का हाथी भी रखा जा सकता है, लेकिन चांदी या पीतल बेहतर विकल्प है।

चांदी का हाथी

यह सबसे उत्तम माना जाता है। चांदी चंद्रमा से संबंधित है, जो शांति, मानसिक स्थिरता और मातृत्व का कारक है। चांदी का हाथी रखने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और वैवाहिक जीवन मधुर होता है।

पीतल का हाथी

पीतल सूर्य और गुरु का प्रतिनिधित्व करता है। यह धन, सम्मान और उन्नति बढ़ाता है। व्यापारियों और नौकरीपेशा लोगों के लिए पीतल का हाथी बहुत लाभकारी है।

वास्तु के अनुसार हाथी रखने की दिशा बहुत महत्वपूर्ण है :

मुख्य द्वार पर : हाथियों का जोड़ा रखें, सूंढ़ अंदर की तरफ हो। इससे सुरक्षा और सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती है।

बेडरूम में : दक्षिण-पश्चिम या उत्तर-पश्चिम दिशा में रखें। इससे वैवाहिक सुख बढ़ता है।

पूजा घर या ड्रॉइंग रूम में : उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में रखना शुभ है।

सूंढ़ की दिशा : सौभाग्य के लिए सूंढ़ ऊपर की ओर होनी चाहिए। संतान सुख के लिए सूंढ़ नीचे की ओर हो सकती है।

हाथी रखते समय जरूरी नियम

हमेशा हाथियों का जोड़ा रखें। अकेला हाथी रखना अशुभ माना जाता है। हाथी को नियमित रूप से साफ करें और धूल-मिट्टी से मुक्त रखें। वास्तु नियमों के अनुसार, हाथी को कभी भी बेड के ठीक सामने या फर्श पर सीधे ना रखें। उचित ऊंचाई वाली टेबल या अलमारी पर रखें। यदि हाथी टूट जाए या खराब हो जाए, तो उसे तुरंत घर से बाहर कर दें।

किचन में ना रखे यें 5 चीजें

घर में छा जाती है नकारात्मकता

वास्तु शास्त्र और पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार किचन सिर्फ खाना बनाने की जगह नहीं होती, बल्कि यह घर की सेहत, समृद्धि और लक्ष्मी का स्थान मानी जाती है। ऐसे में यहां चीजें वास्तु के मुताबिक रखनी चाहिए।

किचन से जुड़े वास्तु नियम

अगर रसोई में गलत या बेकार चीजें रखी हों, तो इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और धन व सेहत पर असर पड़ सकता है। इसलिए किचन को साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखना बहुत जरूरी है। अगर आपकी रसोई में बेकार, टूटे-फूटे या इस्तेमाल में न आने वाले सामान रखे हैं, तो उन्हें तुरंत हटा देना चाहिए। आइए जानते हैं कि वास्तु के मुताबिक किचन में क्या नहीं रखना चाहिए।

टूटे या जले हुए बर्तन

अगर किचन में जला हुआ तवा, टूटा पतीला या दरार वाला बर्तन रखा है, तो यह अच्छा नहीं माना जाता। इससे घर में नकारात्मकता बढ़ती है और पैसों की दिक्कत हो सकती है। साथ ही घर में तनाव और झगड़े भी बढ़ सकते हैं।

पुराना या बार-बार इस्तेमाल किया हुआ तेल

एक ही तेल को बार-बार इस्तेमाल करना सेहत के लिए नुकसानदायक होता है। साथ ही वास्तु के अनुसार यह नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है। इससे घर का माहौल खराब हो सकता है और खर्चे भी बढ़ सकते हैं।

पुराने मसाले और सड़ा हुआ अनाज

अगर किचन में एक्सपायर या खराब हो चुका सामान रखा है, तो यह घर में रुकी हुई ऊर्जा का संकेत होता है। इससे पैसों की परेशानी और गंदगी बढ़ सकती है। इसलिए समय-समय पर किचन की सफाई और बेकार चीजों को हटाना जरूरी है।

झाड़ू और पोछा किचन में रखना

किचन को बहुत पवित्र जगह माना जाता है। यहां झाड़ू या गंदा पोछा रखना अशुभ माना जाता है। इससे लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं और घर में आर्थिक परेशानी आ सकती है।

दवाइयां, बिल और कागज रखना

किचन में खाने के अलावा दूसरी चीजें जैसे दवाइयां, बिल या कागजात रखना सही नहीं माना जाता। इससे अव्यवस्था बढ़ती है और नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

आईशेप के अनुसार चुनें परफेक्ट आईलाइनर

आईलाइनर तो ज्यादातर लड़कियां लगाती हैं लेकिन फिर भी आंखें खूबसूरत नहीं दिखतीं। इसका कारण है गलत तरीके से लगाना। सारे मेकअप प्रोडक्ट में सबसे ट्रिकी पार्ट आई मेकअप होता है। क्योंकि इसे लगाने के लिए आपको एक्सपर्ट होना जरूरी है। सही शेप और विंग की लाइन परफेक्ट नहीं होगी तो वैसे भी आई मेकअप बुरा दिखेगा। ऊपर से अगर आई शेप का ध्यान ना रखा जाए तो सही तरीके से लगा लाइनर भी आंखों की खूबसूरती को बढ़ा नहीं पाएगा। ऐसे में हर लड़की जो आंखों पर आईलाइनर लगाती है और लगाना पसंद करती है, उसे अपनी आई शेप का जरूर पता होना चाहिए। और साथ ही यह भी जानना कि कौन से शेप में लाइनर आंखों की खूबसूरती को बढ़ाएगा।

राउंड आईज पर कैसे लगाएं आईलाइनर

अगर आपकी राउंड आईज है तो इस तरह की आंखों पर थोड़ा थिक लाइनर लगाएं, जो थोड़ा लंबा हो। बेसिकली विंग आईलाइनर राउंड आईज पर ही लगता है।

हुडेड आईज

हुडेड आईज में मेकअप सबसे ट्रिकी माना जाता है। क्योंकि इस तरह की आईज में आंखों की ऊपर की स्किन उभरी होती है। इस तरह की हुडेड आईज में जब भी लाइनर लगाना हो तो लाइनर बिल्कुल पतला रखें और जो विंग बनाएं उसे थोड़ा ऊपर की तरफ लिफ्ट करके बनाएं। जिससे आंखों की खूबसूरती निखरकर दिखेगी।

बादाम शेप आईज (आमंड शेप आईज)

इस तरह की आईज है तो आई मेकअप बहुत खूबसूरत बन सकता है। क्लासिक विंग आईलाइनर इस तरह की आईज पर सबसे ज्यादा सुंदर दिखता है। आंखों के इनर कॉर्नर से लेकर बाहरी कोनों तक थोड़ा लिफ्ट करके लगाएं।

डाउन टर्न आईज

अगर आंखों का शेप डाउन टर्न यानी इनर कॉर्नर की तरफ झुका हुआ है तो इस तरह के आई शेप पर लाइनर मिडिल से स्टार्ट करें और थोड़ा ऊपर की तरफ लिफ्ट करते हुए विंग बनाएं।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए बहुत ही अच्छा रहने वाला है। स्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी और लंबे समय से सोची हुई कोई इच्छा पूरी हो सकती है। व्यापारी वर्ग के लिए दिन लाभदायक है और बिजनेस के सिलसिले में यात्रा के योग हैं।

वृषभ राशि - आज का दिन थोड़ा खर्चीला हो सकता है। जीवनसाथी के साथ शॉपिंग पर जाने से बजट प्रभावित हो सकता है। आर्थिक मामलों में दिन थोड़ा कमजोर है। कामकाज में सहयोग मिलेगा, लेकिन अति आत्मविश्वास से बचें। वैवाहिक जीवन में हल्का तनाव संभव है।

मिथुन राशि - आर्थिक रूप से आज का दिन आपके पक्ष में है। आमदनी अच्छी रहेगी और व्यापार में लाभ के योग हैं। प्रेम जीवन बिता रहे लोगों के लिए दिन शानदार है, पार्टनर के साथ डिनर डेट का प्लान बन सकता है। संतान की ओर से कोई बड़ी खुशी मिल सकती है।

कर्क राशि - आज का दिन सामान्य रहेगा लेकिन पेशेवर व्यक्तियों के लिए बहुत अनुकूल है। काम में व्यस्तता बनी रहेगी। माता के प्रति विशेष लगाव महसूस करेंगे। जमीन-जायदाद से जुड़ी कोई बातचीत घर में चल सकती है जिससे भविष्य में लाभ होगा।

सिंह राशि - आज विदेश से जुड़ा कोई शुभ समाचार मिल सकता है। काम के सिलसिले में लंबी यात्रा के योग हैं। प्रॉपर्टी में निवेश के लिए दिन अच्छा है। विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है। संक्रामक रोगों जैसे खांसी-जुकाम से बचकर रहें।

कन्या राशि - तनाव को खुद पर हावी न होने दें, अन्यथा इसका असर आपके कारोबार पर पड़ सकता है। खुद पर भरोसा रखकर काम करें। आज आपको ससुराल जाने का मौका मिल सकता है। मानसिक शांति बनाए रखने के लिए योग और ध्यान का सहारा लें।

तुला राशि- आज का दिन खुशियों भरा है। नौकरी में प्रमोशन या व्यापार में बड़े लाभ के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी आपके कार्यों में मददगार साबित होगा और उनकी सलाह व्यापार के लिए फायदेमंद रहेगी। निजी जीवन में रोमांस बना रहेगा।

वृश्चिक राशि – आज का दिन मिला-जुला रहेगा। किसी से कर्ज लेने से बचें, यह भविष्य में परेशानी पैदा कर सकता है। खर्चों में बढ़ोतरी होगी। हालांकि, मानसिक रूप से आप मजबूत रहेंगे और कार्यक्षेत्र में सीनियर्स का सहयोग मिलेगा।

धनु राशि- आज आप अपने दिल की बात पार्टनर से साझा कर सकते हैं। बच्चों की तरफ से सरप्राइज मिल सकता है। आमदनी में वृद्धि होने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरीपेशा लोग बदलाव के बारे में सोच सकते हैं जो भविष्य के लिए अच्छा रहेगा।

मकर राशि - प्रॉपर्टी से जुड़ी कोई बड़ी खबर मिल सकती है। घर खरीदने की योजना सफल होने के योग हैं। कार्यक्षेत्र में आप निडर होकर अपनी बात रखेंगे। परिवार में आपसी तालमेल बहुत अच्छा रहेगा और माता का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

कुंभ राशि- आत्मविश्वास बहुत ऊंचा रहेगा, जिससे आप जोखिम भरे निर्णय ले पाएंगे। हालांकि, निवेश करते समय सावधानी बरतें। जीवनसाथी के साथ अहंकार का टकराव हो सकता है, शांति बनाए रखें। सहकर्मियों के सहयोग से ऑफिस में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

मीन राशि- आज का दिन बहुत शुभ है। आर्थिक लाभ के प्रबल योग हैं। धन संचय की योजनाओं या बड़ी पॉलिसी में निवेश कर सकते हैं। परिवार में नया वाहन या प्रॉपर्टी खरीदने पर चर्चा हो सकती है। भाग्य का साथ मिलने से बिगड़े काम बनेंगे।

– ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

हर दिन रंग बदलते हैं इस पौधे के फूल...

आपने अब तक खूबसूरत फूलों के कई पौधे या पेड़ देखे होंगे, लेकिन क्या हो जब किसी प्लांट पर आज पर्पल कलर के फूल लगे हो और फिर लैवेंडर...यही फूल वाइट कलर के भी दिखने लगें। "Yesterday, Today, and Tomorrow" एक प्लांट है जिसके फूलों का रंग हर दिन के हिसाब से बदल जाता है। इसे ब्रुनफेल्सिया पैसीफ्लोरा (Brunfelsia pauciflora) के नाम से भी जानते हैं। ये एक ऐसा पौधा है जो न सिर्फ देखने में खूबसूरत बल्कि सदाबहार भी है, यानी हर मौसम में इसपर फूल आते हैं। आप अपने घर की बालकनी में इसे किसी गमले में लगा सकते हैं या फिर गार्डन में एक साथ कई पौधे लगाकर आप इसकी एक लंबी बाउंड्री बना सकते हैं जो आपके घर की खूबसूरती में चार चांद लगा देगी।

ब्रुनफेल्सिया पैसीफ्लोरा प्लांट साउथ अमेरिका के नेटिव प्लांट है जिसे ब्राजील में रेनट्री के नाम से भी जाना जाता है। वसंत में तो इसमें भरपूर फूल खिलते ही हैं। इसके अलावा पूरे साल मौसम अनुकूल होने पर इसमें फ्लावर आते रहते हैं। सबसे अच्छी बात है कि न सिर्फ ये पौधा देखने में खूबसूरत है बल्कि आपके घर को सुगंध से भर देगा। खासतौर पर इसमें रात के समय बेहद अच्छी खुशबू आती है।

● मिट्टी और गमला तैयार करें

ब्रुनफेल्सिया पैसीफ्लोरा प्लांट के लिए आपको उपजाऊ लेकिन थोड़ी अम्लीय मिट्टी चाहिए होती है, जिसमें कार्बनिक पदार्थ की मात्रा थोड़ी ज्यादा हो और जल निकासी भी सही से होती रहे। मिट्टी को तैयार करने के लिए 2 हिस्से बगीचे की मिट्टी, 1 हिस्सा ऑर्गेनिक या वर्मी कम्पोस्ट, 1 हिस्सा रेत या फिर पर्लाइट, 1 हिस्सा कोकोपीट या फिर पिटमॉस। सारी चीजों को मिलाकर मिट्टी तैयार कर लें। अम्लीयता बढ़ाने के लिए आप थोड़ी सी चाय की पत्ती वाली खाद मिला सकते हैं। इस मिट्टी को गमले में भर दें और कलम लगाने के लिए थोड़ी सी प्लास्टिक बैग में भरें।

● उगाना-देखभाल है आसान

इस पौधे को ग्रो करना या फिर इसकी देखभाल करना बहुत ज्यादा मुश्किल नहीं है। उष्णकटिबंधीय जलवायु यानी गर्म मौसम में ये अच्छी रह से पनप जाता है। हालांकि इसे ऐसी धूप पसंद है जो झरकर आ रही हो लेकिन ये पौधा सीधी धूप में भी सर्वाइव कर जाता है। चिलचिलाती धूप के दौरान कोशिश करनी चाहिए कि इस प्लांट को ऐसी जगह पर रखा जाए जहां पर किसी पेड़ की छांव हो या फिर बाकी के थोड़े ऊंचे पौधे साथ में लगे हो।

ग्लोइंग स्किन पाने के जरूरी उपाय

ग्लो इंग स्किन के लिए हम क्या कुछ नहीं करते। कभी ब्यूटी इनफ्लूएंसर्स के बताए हुए महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स खरीद लेते हैं, तो कभी कोई भी रैंडम नुस्खा ट्राई कर लेते हैं। लेकिन रिजल्ट खास कुछ मिलते नहीं, ये बात आप भी जानते हैं। क्वासतौर से अगर स्किन पर पिगमेंटेशन है, तब तो ज्यादातर चीजों का कोई खास असर स्किन पर नहीं दिखता। अगर आपके फेस पर डार्क स्पॉट्स हैं, ग्लो गायब हो गया है या टैनिंग की वजह से स्किनटोन डल होती जा रही है, तो मुलेठी का ये नाइट सिरम आपको जरूर ट्राई करना चाहिए। आयुर्वेदिक डॉक्टर शोभना ने इसकी सिंपल सी रेसिपी शेयर की है, जिसका रिजल्ट आपको महज चौदह दिनों में ही दिखना शुरू हो जाएगा।

ग्लोइंग और बेदाग स्किन के लिए बनाएं ये नाइट सिरम

अगर आपको ग्लोइंग और बेदाग स्किन चाहिए वो भी बिना महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स यूज किए, तो ये बिल्कुल पॉसिबल है। आपको बस एक नाइट सिरम तैयार करना है, तो काफी सस्ते में बन जाएगा। इसके लिए आपको मुलेठी, गुलाब जल, ग्लिसरीन, एलोवेरा जेल और विटामिन ई कैप्सूल की जरूरत होगी। ये सब आपको आसानी से ऑनलाइन या ऑफलाइन भी मिल जाएगा। तो चलिए फटाफट जानते हैं इसे बनाना कैसे है।

ग्लोइंग स्किन के लिए ऐसे बनाएं मुलेठी का नाइट सिरम

नाइट सिरम बनाने के लिए सबसे पहले एक कांच की छोटी सी शीशी लें। इसमें एक मुलेठी की स्टिक डालें। अब इसमें 6-7 चम्मच शुद्ध गुलाब जल एड करें, साथ में एक चम्मच ग्लिसरीन भी मिलाएं। इसके बाद दो चम्मच एलोवेरा जेल और विटामिन ई की कैप्सूल काट कर इसमें मिक्स करें। सभी चीजें आपस में अच्छी तरह मिलाएं। आपका मुलेठी नाइट सिरम बनकर तैयार है।

कितने दिनों तक स्टोर कर सकते हैं?

इस नाइट सिरम को एक बनाकर रख लेंगे तो आराम से एक हफ्ते तक इस्तेमाल किया जा सकता है। इसे आप फ्रिज में भी स्टोर कर सकते हैं, ये फ्रेश रहेगा।

कब और कैसे लगाना है ये मुलेठी नाइट सिरम?

ये मुलेठी सिरम आपको रोज रात में सोने से पहले अप्लाई करना है। इसके लिए पहले फेसवॉश की मदद से चेहरा क्लीन कर लें। अब थोड़ा सा सिरम लें और पूरे फेस पर अप्लाई कर लें। आप मुलेठी स्टिक की मदद से भी सिरम को फेस पर लगा सकती हैं। इसे रात भर लगा रहने दें, फिर सुबह फेसवॉश कर के अपना नॉर्मल स्किन केयर फॉलो करें।

सेहत के लिए फायदेमंद खरबूजा

गर्मियों के मौसम में मीठा-मीठा खरबूजा खाने का मजा ही कुछ और है। अगर आपको खरबूजा खाना पसंद है, तो आपको इस फल का सेवन करने के कुछ हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में जान लेना चाहिए। खरबूजे को सुबह या फिर दोपहर के समय खाने की सलाह दी जाती है। शाम के समय खरबूजे का सेवन करने से बचना चाहिए। सही मात्रा में और सही तरीके से पोषक तत्वों से भरपूर इस फल का सेवन कीजिए और खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर महसूस कीजिए।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद- गर्मियों में शरीर में पानी की कमी पैदा न हो, इसलिए खरबूजे का सेवन करने की सलाह दी जाती है, लेकिन डिहाइड्रेशन से बचाव के अलावा भी खरबूजा सेहत को कई लाभ पहुंचा सकता है। खरबूजा गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। अगर आप कब्ज की समस्या से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो फाइबर और पानी से भरपूर खरबूजे को अपने डाइट प्लान में शामिल कर सकते हैं।

वेट लॉस में कारगर- हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक वेट लॉस के लिए सिर्फ एक्सरसाइज करना काफी नहीं है, डाइट प्लान पर ध्यान देना भी जरूरी है। वजन घटाने के लिए खरबूजे का सेवन किया जा सकता है। क्या आपकी इम्यूनिटी कमजोर है जिसकी वजह से आप बार-बार बीमार पड़ते रहते हैं? अगर हां, तो आप विटामिन सी रिच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं।

मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते है।

भारतीय जनता पार्टी का 47 वॉ स्थापना दिवस : दुर्ग भाजपा कार्यालय में मनाया गया दीप महोत्सव

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र ने किया दीप प्रज्वलित

दुर्ग।भारतीय जनता पार्टी के 47 वें स्थापना दिवस के अवसर पर दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के नेतृत्व में ध्वजारोहण का कार्यक्रम आयोजित किया गया इस अवसर पर मुख्य रूप से कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पाण्डेय , जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, छत्तीसगढ़ तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष जितेंद्र साहू पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे महापौर अलका बाघमार उपस्थित रहे तत्पश्चात उसके बाद आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम में भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पाण्डेय, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक मुख्य रूप से उपस्थित रहे उनके साथ मंचासीन जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, महापौर अलका बाघमार, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चंद्रिका चंद्राकर ,ऊषा टावरी ,माया बेलचंदन ,पदमा देवांगन, पूर्व कैबिनेट मंत्री रमशिला साहू,जिला भाजपा महामंत्री दिलीप साहू महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री कुमुद बघेल पूर्व विधायक बालमुकुंद देवांगन कुम्हारी नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा, जनपद पंचायत अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन वरिष्ठ भाजपा नेता नैनसुख भट्टड़ उपस्थित रहे 7 कार्यक्रम के पश्चात चित्र प्रदर्शनी का कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा जिला भाजपा कार्यालय में संगोष्ठी का कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा दुर्ग शहर केंद्रीय जेल के पास स्थित छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी, हाउसिंग बोर्ड परिसर बस स्टैंड के पास पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया 7भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पाण्डेय ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि आज हम सभी इस सभागार में उपस्थित हुए हैं भारतीय जनता पार्टी की स्थापना दिवस के अवसर पर हम केवल भारत के नहीं विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के कार्यकर्ता हैं जो हम सभी के लिए गर्व का विषय है और विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनाने का श्रेय वह लाखों कार्यकर्ता हैं जिन्होंने अपने अथक परिश्रम मेहनत और पसीने से इस पार्टी को खड़ा किया एक दौर था जब इस पार्टी से जुड़ने के लिए कोई तैयार नहीं होते थे लेकिन धीरे-धीरे धीरे-धीरे राष्ट्रवादी विचारधारा और अंत्योदय के पद पर चलते हुए आज देश की सबसे ज्यादा सांसद और विधायकों वाली पार्टी है देश के कई राज्यों में हमारी सरकार है और कई राज्यों में हमारे गठबंधन की सरकार हैं 7सुश्री पाण्डेय ने आगे कहा कि भाजपा का मूल मंत्र -सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण- है, जिसके मार्गदर्शन में पार्टी निरंतर देश के विकास, सुशासन एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में कार्य कर रही है।आज हम सभी संकल्प ले हम सभी मजबूत होकर हमारी विचारधारा को हमारे कार्य के बूथ स्तर तक लेकर जाएंगे संगठन को मजबूत करेंगे इन्हीं बातों के साथ आप सभी को भाजपा की स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं/जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने इस अवसर पर कहा की 6 अप्रैल 1980 भारतीय जनता पार्टी का किस कल्पना के साथ उदय हुआ था की हमें मां भारती की सेवा करनी है राष्ट्रवादी विचारधारा पर कार्य करते हुए कटक से अटक तक कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक करना है और यह सपना धीरे-धीरे साकार भी हो रहा है जिला अध्यक्ष श्री कौशिक ने आगे कहा कि राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का साधन नहीं है समाज को अपेक्षित दिशा में प्रगति पथ पर ले जाना भी उसका कार्य है। इसके लिये संगत दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, जो संगत विचारधारा से प्राप्त होता है। आज भारत के सभी राजनीतिक दल विचारधारा शून्यता के शिकार है। भाजपा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद तथा पंचनिष्ठाओं की संगत विचारधाराओं के आधार पर संगठन का नियमन कर रही है। शासन की नीति में भी इनका समुचित प्रतिबिम्बन होगा। दुर्ग के देव तुल्य समस्त भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं भाजपा स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं 7आयोजित संगोष्ठी का संचालन जिला महामंत्री दिलीप साहू ने किया एवं आभार मंत्री गायत्री वर्मा ने किया 7आयोजित कार्यक्रम में जिला महामंत्री विनोद अरोरा, उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, सरिता मिश्रा ,मनोज सोनी, राजीव पांडेय, मंत्री , शैलेंद्र शेंडे, गायत्री वर्मा, शैलेंद्री मांडवी, नवीन पवार, कार्यालय मंत्री सैयद आसिफ अली, प्रवक्ता नितेश साहू, अरुण सिंह, रजा खोखर, , मन की बात कार्यक्रम प्रभारी संतोष सोनी ,मीडिया प्रभारी राजा महोबिया, सोशल मीडिया जिला संयोजक रजनीश श्रीवास्तव, सह संयोजक अविनाश राजपूत, , आईटी सेल जिला संयोजक जितेंद्र सिंह राजपूत, सह संयोजक उमेश गिरी गोस्वामी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष पवन शर्मा, कुम्हारी नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा, मुकेश बेल चंदन मनोज शर्मा बानी सोनी दीपक चोपड़ा,सह प्रभारी जय श्री राजपूत, संवाद प्रभारी राजेश राजपूत, सूचना प्रभारी संजय शुक्ला, सह प्रभारी प्रीति राजपूत, लेखिका आद्वतिया, मंडल भाजपा प्रभारी विनायक नातू वरिष्ठ भाजपा नेता अजय तिवारी,महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री कुमुद बघेल भाजयुमो , हिमांशु सिंह युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष, तृप्ति चंद्राकर महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष ,रोहित राजपूत जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा, तेखन सिन्हा जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा, जिला अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा, शिक्षा प्रकोष्ठ जिला संयोजक नितेश शर्मा, दिनेश मिश्रा जिला संयोजक झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ विजय ताम्रकार आरटीआई प्रकोष्ठ जिला संयोजक अबीर गोयल जिला संयोजक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ मनोज ठाकरे जिला संयोजक एनजीओ प्रकोष्ठ, मंडल अध्यक्ष महेंद्र लोढ़ा, कमलेश फेकर ,कौशल साहू, बंटी चौहान, मनमोहन शर्मा, शीतल ठाकुर, रानी बंजोर, ज्योति प्रकाश सिन्हा, राजू जग्गित ,अनुपम साहू ,मनु साहू ,मौसमी ताम्रकार ,अनिल यादव, राजेश साहू ,नेतन साहू,पुरान देशमुख ,चंदू देवांगन,पुणेंदर सिन्हा ,दीपक चतुर्वेदी ,कनऊ वर्मा, छगन साहू , नीलांबर साहू, पुनाराम कलिहारी, नरेंद्र निर्मलकर, दशरथ साहू ,गुड्डू झा उपस्थित रहे।

नक्सलवाद के विरोध में ABVP ने निकाली प्रतीकात्मक शव यात्रा, 'नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़' का लिया संकल्प

दुर्ग। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) जिला इकाई दुर्ग द्वारा 'नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़' के समर्थन में एक प्रभावशाली विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नक्सलवाद के प्रति अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए प्रतीकात्मक शव यात्रा निकाली और समाज को एक सशक्त संदेश दिया।कार्यक्रम की जानकारी देते हुए नगर मंत्री आकाश कुमार साहू ने बताया कि छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद के दंश से पूरी तरह मुक्त करने के संकल्प के साथ यह आयोजन किया गया। उन्होंने संबोधन में कहा कि नक्सलवाद प्रदेश की शांति, सुरक्षा और विकास के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है। इसे जड़ से खत्म करने के लिए युवाओं को एकजुट होकर प्रखर आवाज उठानी होगी।इस विरोध प्रदर्शन में जिले के बड़ी संख्या में छात्र और परिषद के कार्यकर्ता शामिल हुए, जिन्होंने नक्सलवाद विरोधी नारे लगाकर अपना समर्थन व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं का कहना था कि बस्तर से लेकर सरगुजा तक जब तक नक्सली हिंसा खत्म नहीं होती, तब तक प्रदेश का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है।

भिलाई स्टील प्लांट के पावर प्लांट-2 में भीषण ब्लास्ट, टर्बाइन सेक्शन में लगी आग से मची अफरा-तफरी; 7 कर्मी घायल

भिलाई । भिलाई स्टील प्लांट (बसप) के भीतर मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। सुबह करीब 10 बजे संयंत्र के पावर प्लांट-2 के टर्बाइन सेक्शन में अचानक एक जोरदार धमाका हुआ, जिसके बाद पूरे इलाके में भीषण आग फैल गई। घटना के बाद आसमान में धुएं का काला गुबार दूर-दूर तक देखा गया, जिससे संयंत्र के भीतर और बाहर हड़कंप मच गया।

टर्बाइन में ब्लास्ट के बाद मची भगदड़- प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टर्बाइन सेक्शन में अचानक तेज आवाज के साथ ब्लास्ट हुआ। धमाका इतना जबरदस्त था कि कुछ ही मिनटों में आग की लपटों ने विकराल रूप ले लिया। उस वक्त ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों ने जान बचाने के लिए पीछे के रास्तों का सहारा लिया। सूचना मिलते ही दमकल की 6 से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

7 कर्मचारी घायल, सेक्टर-9 अस्पताल में भर्ती- प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस हादसे में कम से कम 7 बीएसपी कर्मियों के घायल होने की खबर है। बताया जा रहा है कि, 2 बीएसपी कर्मचारी और 3 ठेका श्रमिक मामूली रूप से झुलसे हैं। वहीं 1 कर्मचारी के पैर में फ्रैक्चर होने की सूचना है।

सभी घायलों को सेक्टर-9 अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनका इलाज जारी है। हालांकि, प्रबंधन की ओर से आधिकारिक पुष्टि का अभी इंतजार है।

संयंत्र प्रबंधन और प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, टर्बाइन सेक्शन में तकनीकी खराबी या अत्यधिक दबाव (Pressure) बढ़ने के कारण ब्लास्ट हुआ होगा। दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दिए जा सकते हैं।

हादसे के बाद पूरे पावर प्लांट क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। संयंत्र प्रबंधन का कहना है कि आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया है और फिलहाल स्थिति की निगरानी की जा रही है। बीएसपी के आधिकारिक बयान के बाद ही नुकसान के सही आंकड़ों और घटना की असली वजह का खुलासा हो पाएगा।

धर्म स्वातंत्र्य विधेयक के खिलाफ सड़क पर उतरा मूल निवासी संघ; कलेक्ट्रेट का घेराव कर जताया कड़ा विरोध

दुर्ग। छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक-2026 के विरोध में मंगलवार को दुर्ग जिला मुख्यालय में मूल निवासी संघ ने शक्ति प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और महिलाओं ने शहर में रैली निकालकर कलेक्ट्रेट का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने इस विधेयक को संवैधानिक अधिकारों का हनन बताते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

कलेक्ट्रेट परिसर बना छावनी- मूल निवासी संघ के आह्वान पर आयोजित इस प्रदर्शन में जनसैलाब उमड़ पड़ा। रैली में शामिल महिलाएं हाथों में तख्तियां लिए विधेयक वापस लेने की मांग कर रही थीं। प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। कलेक्ट्रेट परिसर को पूरी तरह से छावनी में तब्दील कर दिया गया था और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

संविधान के अनुच्छेद 25 का हवाला- प्रदर्शन के दौरान संघ के नेताओं ने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक-2026 संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत नागरिकों को मिले धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों को कमजोर करने की एक बड़ी साजिश है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर प्रहार है और इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन- प्रदर्शन के अंत में संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि इस विवादित विधेयक पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने उनकी मांगें नहीं मानीं, तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर जेडी सख्तः सूरजपुर सीएमएचओ को नोटिस, दो गंभीर मामलों में तीन दिन के भीतर मांगी जांच रिपोर्ट

लोकतंत्र प्रहरी।समाचार सेवा

अम्बिकापुर/सूरजपुर। सरगुजा संभाग के स्वास्थ्य सेवाओं के संयुक्त संचालक (छ्रष्ठ) डॉ. अनिल कुमार शुक्ला ने सूरजपुर जिले की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में सामने आई गंभीर शिकायतों पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (ष्टरूहृह्र) सूरजपुर को पत्र जारी कर दो अलग-अलग मामलों में तत्काल जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

मामला 1 : इलाज के नाम पर मासूम की मौत और निजी अस्पतालों का खेल

दैनिक समाचार पत्र में -गरीबी की लाचारी, सिस्टम की खामोशीः इलाज के नाम पर भटकाई गई मासूम की जिंदगी बुझी- शीर्षक से प्रकाशित खबर का संज्ञान लेते हुए डॉ. शुक्ला ने गहरा क्षोभ व्यक्त किया है। खबर में बताया गया था कि कैसे दूरस्थ क्षेत्रों के गरीब और अशिक्षित लोग जब सरकारी अस्पताल पहुँचते हैं, तो उन्हें राहत देने के बजाय सुविधाओं का अभाव बताकर निजी अस्पतालों की ओर मोड़ दिया जाता है। इसी भटकाव के कारण एक मासूम को अपनी जान गंवानी पड़ी।

स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ग्रामीणों को सरकारी सुविधाओं का लाभ मिलना चाहिए। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही से इलाज में बाधा आती है, तो उन पर कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।-

— डॉ. अनिल कुमार शुक्ला, संभागीय संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवायें, सरगुजा संभाग

जेडी ने सीएमएचओ को अपने स्तर पर एक उच्च स्तरीय जांच कमेटी गठित करने और पूरे मामले की बिंदुवार जांच कर 03 कार्यदिवस के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया है।

मामला 2 : महुली उप स्वास्थ्य केंद्र में ताला, 20 हजार ग्रामीण बेहाल

दूसरे मामले में, ग्राम पंचायत महुली (वनांचल क्षेत्र) के उप स्वास्थ्य केंद्र के लंबे समय से बंद रहने और ताला लटके होने की शिकायत पर भी कार्रवाई की गई है। समाचार में -महुली उप स्वास्थ्य केन्द्र पर लटका ताला, मरीज बेहाल- शीर्षक से बताया गया था कि केंद्र बंद होने से क्षेत्र के लगभग 15 से 20 हजार ग्रामीण बुनियादी इलाज के लिए भटक रहे हैं।

निर्देशः इस संबंध में डॉ. शुक्ला ने सीएमएचओ सूरजपुर को निर्देशित किया है कि वे तत्काल वस्तुस्थिति की जांच करें और आवश्यक सुधार कार्य सुनिश्चित करते हुए कार्यालय को अवगत कराएं।

महापौर शशि सिन्हा ने पेश किया कार्यकाल का अंतिम बजट

रिसाली निगम में हंगामें के बाद 223.51 करोड़ का बजट पारित

भिलाई / प्रतिनिधी। भिलाई। नगर पालिक निगम रिसाली में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 223 करोड़ 51 लाख रुपये का वार्षिक बजट विशेष सभा में सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया।

महापौर शशि सिन्हा ने अपने कार्यकाल का अंतिम बजट पेश करते हुए शहर के विकास और बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता दी है। बजट में 12 लाख 8 हजार रुपये के लाभ का अनुमान लगाया गया है।

सवा तीन घंटे चली तीखी बहस मंगलवार को आयोजित विशेष सभा में बजट अभिभाषण के बाद सदन में काफी गहमागहमी रही। सभापति केशव बंछोर की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू ने चर्चा की शुरुआत की। टी-ब्रेक के बाद स्थिति तब तनावपूर्ण हो गई जब विपक्ष ने प्लेसमेंट कर्मचारी की दुर्घटना में मृत्यु और ईडब्ल्यूएस (श्वङ्कस्) जमीन के मुद्दे पर सत्तापक्ष को घेरा। विवाद इतना बढ़ा कि विपक्षी पार्षद गर्भगृह में जाकर बैठ गए। हंगामे को देखते हुए सभापति ने अधिकारियों को मामले की गंभीरता से जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए।विकास कार्यों का रोडमैपमहापौर ने अपने संबोधन में बताया कि शहर के कायाकल्प के लिए करोड़ों की योजनाएं प्रस्तावित हैं:15वां वित्त आयोगः 21.47 करोड़ रुपये की लागत से नई सड़कें, पाइपलाइन और पानी की टंकियों का निर्माण होगा।नगरोत्थान योजनाः विकास कार्यों के लिए 17.23 करोड़ रुपये का प्रावधान।पार्षद निधिः वार्डों के स्थानीय कार्यों के लिए 2.40 करोड़ रुपये आवंटित।पिछला प्रदर्शनः वित्तीय वर्ष 2025-26 में 13.36 करोड़ की लागत से 182 निर्माण कार्यों को स्वीकृति दी गई।डिजिटल हुआ रिसाली निगमनिगम ने राजस्व वसूली में आधुनिक तकनीक पर जोर दिया है। अब नागरिक व्हाट्सएप, यूपीआई और डेबिट-क्रेडिट कार्ड के माध्यम से घर बैठे टैक्स जमा कर पा रहे हैं। महापौर के अनुसार, अब तक लगभग 27 हजार नागरिक इस डिजिटल सुविधा का लाभ उठा चुके हैं।बजट एक नजर में:कुल प्राप्तियां: 223 करोड़ 51 लाख रुपयेकुल व्ययः 223 करोड़ 38 लाख 92 हजार रुपयेअनुमानित लाभः 12 लाख 8 हजार रुपयेशाम 6:15 बजे सभापति ने बजट संकल्प पारित होने की घोषणा की। इस दौरान सत्तापक्ष ने इसे विकासोन्मुखी बताया, वहीं विपक्ष ने कई मुद्दों पर निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com